ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 343 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

10 जून 2025 मंगलवार

आज का मौसम

39 अधिकतम

28 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

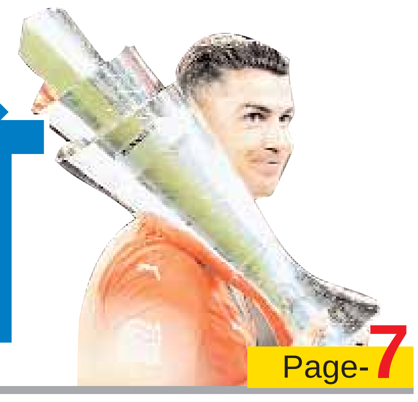

Page-7

कैबिनेट बैठक में सीएम ने केंद्र व राज्य सरकार के कामकाज की ब्रांडिंग के दिये निर्देश

संकल्प से सिद्धि का मंत्र लेकर जनता के बीच जाएंगे मोहन के मंत्री-विधायक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज अपने मंत्रिमंडल के साथ सरकार की प्राथमिकताओं के संबंध में विमर्श किया। मंत्रालय में कैबिनेट बैठक के पहले चरण में केंद्र की मोदी सरकार के 11 वर्ष और मध्यप्रदेश सरकार के डेढ़ वर्ष के कार्यकाल पर कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। यादव ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल व उनके सुशासन के संकल्प के प्रति मंत्री परिषद प्रधानमंत्री का अभिनंदन का प्रस्ताव पारित करती है। केंद्र सरकार अन्नदाता, युवा और गरीब सहित विभिन्न वर्गों का जीवन बदलने के लिए और उन्हें अधिक से अधिक रोजगार एवं विकास के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए कार्य कर रही है। अब केंद्र सरकार द्वारा हासिल उपलब्धियां का प्रचार प्रसार किया जाएगा। सभी मंत्री केंद्र की उपलब्धियां और मप्र शासन की डेढ़ वर्ष की उपलब्धियां नागरिकों तक पहुंचाएंगे। इस संबंध में संकल्प से सिद्धि अभियान भी संचालित होगा जिसमें जनप्रतिनिधियों को दायित्व सौंपे जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कैबिनेट को बताया कि उज्जैन में स्पिरिचुअल एंड वैलनेस समिट में स्वामी चिदानंद सरस्वती सहित अनेक आध्यात्मिक गुरु जो वैलनेस के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं ,उन्होंने हिस्सा लिया। विभिन्न निवेशकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों सहित 300 से अधिक प्रतिनिधि इस समिट में शामिल हुए। समिट के माध्यम से वैलनेस हॉस्पिटैलिटी और स्वास्थ्य क्षेत्र में लगभग 2000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। केरल, उत्तराखंड आदि राज्यों के प्रतिनिधि इसमें विशेष रूप से शामिल हुए। यह अपने तरह की पहली समिट थी जो सरकार के प्रत्येक सेक्टर में निवेश की संभावनाओं और विकास की परिकल्पना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा। 11 आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज प्रारंभ होने का निर्णय लिया। इनमें से पांच कॉलेज की स्वीकृति भारत सरकार से प्राप्त हो चुकी है। यह कॉलेज वैलनेस केंद्र के रूप में भी कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर 13 लोक के निर्माण और विकास का कार्य चल रहा है। इन कार्यों की समय-समय पर समीक्षा भी की जा रही है।

वर्षा काल में आवश्यक व्यवस्थाओं के निर्देश

बैठक में मुख्यमंत्री ने आगामी वर्षाकाल में बाढ़ और अतिवृष्टि की आशंका के दृष्टिगत मंत्रीगण को अपने प्रभार के जिलों में आवश्यक परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयारी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी मंत्री जिला स्तर पर सभी संभावित परिस्थितियों की समीक्षा करें। सीएम ने आज भोपाल में जारी कृषि फीडर योजना पर समिट के बारे में भी मंत्रियों को जानकारी दी। यह योजना आय के एक नए साधन के रूप में महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। इसमें निवेशक की अपनी स्वयं की भूमि अथवा कृषि भूमि होना चाहिए। सीएम ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वाराशव वाहन के संचालन का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इसमें अस्पतालों में किसी नागरिक की मृत्यु के पश्चात उनके घर तक पार्थिव देह ले जाने की निश्शुल्क व्यवस्था प्रदान की जाएगी।

कृषि फीडर समिट शुरू

आज राजधानी के कुशाभाऊ इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में छोटे निवेशकों और किसानों की सौर ऊर्जा उत्पादन में सहभागिता को सुनिश्चित करने के लिये सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना पर समिट की शुरूआत हुई। दिनभर में विभिन्न सत्र आयोजित किये जायेंगे। जिसमें विषय-विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से जानकारी दी जायेगी। एमडी ऊर्जा विकास निगम अमनबीर सिंह बैंस ने शुरूआत में प्रोजेक्ट और निविदा की विशेषताओं के बारे में जानकारियां दीं। दोपहर में निविदा प्रक्रिया का प्रेजेंटेशन होगा। रिसोर्स मॉनीटरिंग सिस्टम पर विचार-विमर्श होगा। इसके अतिरिक्त मेनिट की डॉ. प्रियंका पालीवाल 'रियेक्टिव पॉवर-ग्रिड स्टेबिलाइजेशन एण्ड इम्पेक्ट ऑन फीडर' पर व्याख्यान देंगी। समिट में फीडर सोलराइजेशन में वित्तीय सहायता के लिये बैंकर्स का सेशन भी आयोजित किया गया है। समिट में प्रोसेस फ्लो और डिमांस्ट्रेशन पर भी प्रेजेंटेशन होंगे। समिट में इनवर्टर मैन्युफेक्चरर्स का सेशन भी होगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव शाम पांच बजे इस समिट के समापन संत्र को संबोधित करेंगे।

मेघालय पुलिस बना सकती है मुख्य अभियुक्त

गाजीपुर से फिर शिलांग... सोनम से राज उगलवाने की कोशिशें

इंदौर/शिलांग

पत्नी के धोखे का शिकार होकर जान गंवा बैठे इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी मामले में अभी कई राज सामने आने बाकी हैं। गिरफ्तार पत्नी सोनम रघुवंशी को मेघालय पुलिस देर रात लेकर गाजीपुर से शिलॉन्ग के लिए रवाना हो गई, आज मेघालय पुलिस फिलहाल पटना में है। यहां सोनम को फुलवारी शरीफ थाने में रखा गया है। पुलिस की चार सदस्यीय टीम सोनम को बक्सर के रास्ते पटना लेकर पहुंची। खबरों के अनुसार, सोनम को आज दोपहर स्पाइसजेट की फ्लाइट से पटना से गुवाहाटी ले जाया जाएगा। वहां से मेघालय पुलिस शिलॉन्ग लेकर जाएगी। गिरफ्तारी के बाद से सोनम शांत दिख रही है और उसने पुलिस से खाना भी मांगा।

उल्लेखनीय है कि शिलांग में राजा की 23 मई को ही हत्या कर दी गई थी। सोनम उसी शाम को शिलॉन्ग से गुवाहाटी के लिए रवाना हो गई थी। इसके बाद गुवाहाटी से ट्रेन में बैठकर वह यूपी की तरफ निकल गई। हालांकि, इसके बाद वह कहां-कहां गई, ये पता नहीं चल पाया है। पुलिस यही पता करेगी, हालांकि गाजीपुर में वह जिस ढाबे पर मिली उसके आसपास के तमाम वीडियो कैमरे के फुटेज चैक किये जा रहे हैं। उधर मेघालय के गृह मंत्री टेनसांग ने कहा है कि राजा रघुवंशी मर्डर केस में पत्नी सोनम को मुख्य अभियुक्त बनाने की तैयारी है, क्योंकि राजा का फुल प्रूफ प्लान के साथ मर्डर किया गया है। ट्रांजिट रिमांड पर लाने के दौरान सोनम से इन बिंदुओं पर डिटेल में पूछताछ होगी।

फरारी के दौरान भी थी अपडेट

बताया जा रहा है कि सोनम अपने पति की हत्या के बाद उसकी जांच पर पूरी नजर रख रही थी। उसे ये भी मालूम था कि उसे मृत समझकर खाइयों में उसकी तलाश हो रही है। जब उसे पता चला कि उसके दोस्त राज कुशवाह को पुलिस ने इंदौर से गिरफ्तार कर लिया है, इसके बाद सोनम को आभास हो गया, अब उसकी करतूतों का पर्दाफाश हो चुका है। सोनम के एक और दोस्त ने उसे फोन पर इस बात की जानकारी दी थी। इसके बाद ही उसने यूपी के ढाबे में पहुंचकर खुद को सरेंडर करने का प्लान बनाया।

इंदौर से सोनम के चारों साथियों को भी मेघालय ले जा रही पुलिस

■ पत्नी सोनम रघुवंशी के मेघालय पुलिस के हत्थे चढ़ने के बाद शेष चारों आरोपियों को आज मेघालय पुलिस इंदौर से शिलांग ले जाएगी। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (अपराध) राजेश दंडोतिया ने इस मामले की संवाददाताओं को जानकारी देते हुए बताया कि चारों आरोपी अभी इंदौर में ही हैं। शिलांग पुलिस उनसे लगातार पूछताछ कर रही है। तीन आरोपियों को कल गिर तार कर उनका ट्रांजिट रिमांड ले लिया गया था। एक की ट्रांजिट रिमांड आज ली जाएगी, जिसके बाद शिलांग पुलिस की टीम इन्हें लेकर जाएगी। उन्होंने बताया कि तीन आरोपी इंदौर के राज कुशवाह (सोनम के कथित प्रेमी) के दोस्त हैं। राज सोनम रघुवंशी के ऑफिस में काम करता है। दूसरा आरोपी आकाश राजपूत बेरोजगार है। तीसरा विशाल चौहान बीकॉम दूसरे साल का छात्र है। इनमें से किसी भी आरोपी का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। सभी आरोपियों की उम्र 20 से 25 साल के बीच है। श्री दंडोतिया ने बताया कि राजा रघुवंशी के अंतिम संस्कार के समय राज कुशवाह वहीं था। कई ऐसे वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें वो अंतिम संस्कार के समय यहीं दिखाई दे रहा है। इस मामले में शिलांग पुलिस और मध्यप्रदेश पुलिस ने कल चार आरोपियों को गिर तार किया था।

डेडलाइन के ऐन पहले तक जीरो तबादले

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय सभाकक्ष में राज्य मंत्री परिषद की बैठक राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सामूहिक गायन के साथ प्रारंभ हुई। मप्र की यादव सरकार की पहली तबादला नीति की डेडलाइन आज खत्म हो रही है। दोपहर 12 बजे तक प्रदेश के कई जिलों में तबादलों का सूखा ही रहा है। अलबत्ता कुछ जिलों में बैकडेट में एक के बाद एक आदेश जारी होते रहे। यही सिलसिला विभागों में भी जारी है और माना जा रहा है कि आगे भी बैकडेट में तबादले सामने आयेंगे, क्योंकि कई विभाग सूची आदि बनाए बैठे हैं। सूत्रों की मानें तो सबसे सबसे खराब स्थिति कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ अमर्यादित बयान देने वाले मंत्री विजय शाह के प्रभार वाले झाबुआ और रतलाम जिले में है। यहां देर रात तक तबादलों की संख्या जीरो रही। उनके जनजातीय कार्य विभाग में भी यही स्थिति रही। अफसरों का कहना है कि शाह ने डेडलाइन के दो दिन पहले तक आवेदनों पर सिफारिश नहीं की, जिसके कारण आदेश जारी नहीं कर सके। अब आज शाम तक सभी ज़रूरतें तबादले कर दिए जाएंगे।

कर्मचारी नाराज : उधर कर्मचारियों का कहना है कि कई विभागों व प्रभार वाले जिलों में मिले आवेदनों को रोककर रखा गया। मंत्रियों व अफसरों की लेटलतीफी के कारण कर्मचारी परेशान हो रहे हैं। एक से दूसरे नेताओं, मंत्रियों व अफसरों तक चक्कर काटने पड़ रहे। अब आज शाम तक का समय शेष है। हालांकि इस बीच लोनिवि, शिक्षा, लोक निर्माण और लोक स्वास्थ्य जैसे विभागों में सूचियां आती रही है। स्कूल शिक्षा जैसे कुछ विभागों की अपनी तबादला नीति है।

तबादलो का पहला सीजन : यादव सरकार का यह पहला तबादल सीजन है। यह 1 मई से शुरू हुआ है। इसके पहले जब नीति नहीं आई थी तब कुछ मंत्रियों ने कार्यकर्ता व कर्मचारियों द्वारा तबादला नीति की मांग किए जाने का हवाला देकर सत्ता व संगठन के सामने अप्रत्यक्ष रूप से नाराजगी व्यक्त की थी। लेकिन नीति आने के बाद भी कई मंत्री, अफसर कर्मचारियों के आवेदन अंतिम समय तक दबाकर बैठे रहे। जब में सीएम से डेडलाइन बढ़वाने के लिए मंत्री अनुरोध कर रहे थे तब भी कहा जाता है कि सीएम नाराज थे कि लेटलतीफी क्यों हो रही है।

कई जिलों में लू का अलर्ट

भोपाल। राजस्थान की ओर से आ रही गर्म हवाओं मध्यप्रदेश में अगले तीन दिन प्रचंड गर्मी रहेगी और पारा 45 पार भी कर सकता है आज गुना अशोकनगर, शिवपुरी, दतिया, टीकमगढ़ आदि में लू का अलर्ट है।

कैलिफोर्निया : पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर चलाई रबर की गोलियां

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिका में कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स शहर में पुलिस ने शोरगुल वाले ग्रेनेडों के बाद सबसे सक्रिय प्रदर्शनकारियों पर रबर की गोलियां चलायीं है। समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती ने बताया कि इससे पहले सुरक्षा बलों ने लैश-बैंग ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। बाद में कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने सक्रिय प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए रबर की गोलियों का इस्तेमाल किया। गौरतलब है कि हिंसा सात जून को तब भड़की जब लॉस एंजिल्स में अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) सेवा की ओर से अवैध प्रवासियों के खिलाफ छापेमारी की गयी, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गये। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुयीं। इसी बीच प्रांत के लिए संघीय फंड में कटौती की खबरें भी सामने आयीं।

कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या सात हजार के करीब

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में कोराना संक्रमण के सक्रिय मामलों की सं या मंगलवार सुबह तक 6815 पहुंच गयी और पिछले 24 घंटों के दौरान इसके संक्रमण से तीन और मरीजों की मौत होने से मृतकों की सं या 68 पहुंच गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार आज सुबह आठ बजे तक ×24 नए संक्रमण के मामले सामने आए, जिससे कुल सक्रिय मामलों की सं या 6,815 हो गई और इस बीमारी के संक्रमण से 7644 मरीज स्वस्थ हो गये हैं।

उम्र पर कमेंट से भड़के अमिताभ, सोशल मीडिया पर लिखा-ईश्वर की कृपा

मुंबई, एजेंसी। सोशल मीडिया पोस्ट पर सक्रिय रहने वाले महानायक अमिताभ बच्चन की उम्र पर एक ट्रोलर ने भद्दा मजाक किया है। इस पर बच्चन भी खामोश नहीं रहे और उन्होंने बेहतरीन ढंग से ट्रोलर की क्लास लगा दी। देर रात किए गए उनके पोस्ट पर जब लगातार ट्रोलिंग होने लगी, तो इक्का-दुक्का लोगों को सादगी से फटकार लगाई, लेकिन कुछ समय बाद ही उन्होंने अपनी पोस्ट डिलीट भी कर दी। अमिताभ ने देर रात अपने ऑफिशियल X प्लेटफॉर्म पर लिखा- गैजेट टूट जाते हैं, लेकिन लंबी उम्र बनी रहती है। उनकी इस पोस्ट में रमन नाम के एक यूजर ने लिख दिया-, टाइम पर सो जाया करो, वर्ना लंबी उम्र भी नहीं टिकेगी। लेकिन अमिताभ की पैनी नजर इस कमेंट पर पड़ गई तो उन्होंने लिखा- मेरे मरण (मरने) की बात करने के लिए शुक्रिया, ईश्वर की कृपा।

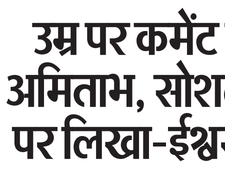

मेट्रो एंकर

क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल

सेना को जल्द मिलेगा नया एयर डिफेंस सिस्टम

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय सेना को जल्द ही नया एयर डिफेंस सिस्टम मिल सकता है। खबरों के मुताबिक- रक्षा मंत्रालय चीन और पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनाती के लिए क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल सिस्टम की तीन रेजिमेंट खरीदने को लेकर विचार कर रहा है। ये डील 30 हजार करोड़ की होगी। यह दिन और रात दोनों समय कारगर है, इसकी सफल टेस्टिंग भी की जा चुकी है। अधिकारियों के मुताबिक, इस डिफेंस सिस्टम को डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन ने तैयार किया है। ये एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है। इस सिस्टम में मूविंग टारगेट खोजने, ट्रैक करने और कम समय में फायर करने की कैपेसिटी है। लगभग 30किमी रेंज के साथ QRSAM मीडियम से कम डिस्टेंस में मीडियम रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल सिस्टम आकाश जैसी मौजूदा एयर डिफेंस सिस्टम को सपोर्ट करेगी। बताया जाता है कि इस डिफेंस सिस्टम के सेना में शामिल करने के लिए काउंसिल की बैठक जून के चौथे सप्ताह में हो सकती है। अभी भारत के पास आकाशतीर, और आयरन ड्रोन जैसे एयर डिफेंस सिस्टम मौजूद हैं। इन्होंने ही भारत-पाकिस्तान के बीच 7 से 10 मई तक चले संघर्ष के दौरान पाकिस्तान की ओर से भेजे गई चीनी मिसाइलें और तुर्किस ड्रोन्स को खत्म किया था।

एक और घातक मिसाइल हो रही तैयार

■ भारत अब ऐसी सीक्रेट हाइपरसोनिक मिसाइल बना रहा है, जो पूरे एशिया में बेहद घातक है। इसके आने से शक्ति संतुलन बदल सकता है। यह पलक झपकते ही तीन किलोमीटर की दूरी तय कर सकती है। कोई भी रडार या डिफेंस सिस्टम इसे रोक नहीं पाएगा। इसे एशिया में सबसे बड़ा गेमचेंजर माना ला रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन का प्रोजेक्ट विष्णु है। अब इस हाइपरसोनिक मिसाइल विकास कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए टेस्ट किए जाने की तैयारी है। जानकारों का कहना है कि प्रोजेक्ट विष्णु की स्पीड बहुत तेज है। यह मेक 8 की गति से चलती है, जो लगभग 11,000 किलोमीटर प्रति घंटा है। यह ध्वनि की गति से आठ गुना ज्यादा है। इसका मतलब है कि यह मिसाइल एक सेकंड में तीन किलोमीटर की दूरी तय कर सकती है। इतनी तेज गति के कारण, इसे मौजूदा रडार और हवाई रक्षा प्रणालियों द्वारा रोकना लगभग असंभव है। हाइपरसोनिक ऐसी तकनीक है जो रॉकेट और मिसाइलों को बहुत तेज गति से उड़ने में मदद करती है। इस गति को सुपरसोनिक ऑन स्टेरॉयड भी कहा जाता है। यह बहुत ही ज्यादा तेज होती है। हाइपरसोनिक गति सुपरसोनिक गति से 5-6 गुना ज्यादा होती है।

रिटायर्ड आईएफएस के सीएम को पत्र से खलबली

वन अफसरों की कार्यशाला या मौज मस्ती की पाठशाला !

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र के वन विभाग के रीजनल वर्कशॉप सुर्खियों में है। इसकी वजह यह भी, कि पहली बार इसका आयोजन पांच सितारा होटल में हुआ है। पात्रता से कई गुना महंगे सुइट्स में आला अफसरों को रुकवाया गया। चर्चा है कि भुगतान अनऑफिशियल किया गया। यही नहीं, वर्कशॉप में डांस-गाने और मदिरापन का दौर चला। वर्कशॉप आयोजित करने वाले रीजनल अधिकारियों ने अपने आला अधिकारियों को खुश करने के लिए बेश-कीमती उपहार तक भेंट किए।

दरअसल, चर्चित रिटायर्ड आईएफएस अधिकारी आज़ाद सिंह डबास ने दावा है कि वर्कशॉप पर करीब 2 से 3 करोड रुपए खर्च हुए हैं। डबास ने इसकी वसूली वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव से करने के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र भेजा है। वर्कशॉप पर सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं क्योंकि वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव की सेवानिवृत्ति जुलाई में है और उनके सबसे खास पीसीसीएफ विकास एवं समन्वय सुदीप सिंह 30 जून को रिटायर होंगे।

यहां आयोजित की गई कार्यशालाएं

डबास ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि असीम श्रीवास्तव द्वारा 1मई को नर्मदापुरम एवं बैतूल वृत्त के लिए पचमढी में, फिर 23-24 मई को भोपाल, उज्जैन वृत्त, खण्डवा एवं इन्दौर वृत्त की वर्कशॉप इन्दौर के होटल मैरियट में हुई। 4 जून को जबलपुर, बालाघाट, सिवनी एवं छिन्दवाड़ा वृत्त के लिए जबलपुर में क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित कराई गई। इसी प्रकार 30 मई को ग्वालियर, शिवपुरी एवं छतरपुर वृत्त के लिए ओरछा के राजविलास होटल और 6 जून को रीवा, शहडोल एवं सागर वृत्त के लिए बाधंवगढ़ में क्षेत्रीय कार्यशालाएं आयोजित हुई।

परिवार को महंगे होटलों में रुकवाया

सभी कार्यशालाओं में संबधित वृत्तो के समस्त वनमण्डलाधिकारी, वन संरक्षक, मुख्य वन संरक्षक के अतिरिक्त मुख्यालय के अनेक अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, प्रबंध संचालक एवं वन बल प्रमुख उपस्थित रहे हैं। डबास ने कहा कि कार्यशालाओं में उपस्थित वन अधिकारियों और उनके पत्नी और बच्चों को इन्दौर में मेरियट, ओरछा में राजविलास पैलेस, बांधवगढ में डेन टाइगर रिसोर्ट, पचमढी एवं जबलपुर के मंहगे होटलों में रूकवाया गया। कार्यशालाओं के आयोजन में इतने सारे अधिकारियों की उपस्थिति के कारण शासन पर कम से कम 2 से 3 करोड का व्यय होने की संभावना है। शासकीय व्यय के अतिरिक्त अधिकारियों के खाने-पीने एवं मदिरापान में भी भारी खर्च हुआ है जिसका भार स्थानीय अमले द्वारा उठाया गया है। इससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा।

क्षेत्रीय कार्यशालाओं के औचित्य पर सवाल

मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में खेती कार्यशाला के आयोजन के औचित्य पर सवाल उठाते हुए डबास ने लिखा कि जब विभाग के पास विडियो कान्फ्रेसिंग की अति-आधुनिक सुविधा है तो इन क्षेत्रीय कार्यशालाओं का आयोजन क्यों किया गया ? बल्कि कान्फ्रेसिंग के माध्यम से शासकीय राशि का अपव्यय रोका जा सकता था व समय की भी बचत होती। यदि वन बल प्रमुख को क्षेत्रीय कार्यशालाओं का आयोजन कराना ही था तो इनका आयोजन अपना प्रभार ग्रहण के तत्काल बाद के महीनो में कराना था ताकि उनके निर्देशों का प्रभावी कियान्वयन संभव होता तथा विभाग को कुछ फायदा होता। मगर सेवानिवृति में अब (31 जुलाई 25) के 2 माह से भी कम समय है। ऐसे में इनका आयोजन कराना समझ से परे है। डबास के मुताबिक %ऐसा लगता है कि इन कार्यशालाओं की आड़ में वे मैदानी अधिकारियों से अपने विदाई समारोहों का आयोजन करा रहे हैं इनका वनों के सरंक्षण एवं संर्वधन से कोई लेना-देना नही है।

क्रेडाई के साथ बैठक में 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट' पर सहमति

उम्मीद : राजधानी को एआई लाइटहाउस सिटी बनाने की पहल को सरकार का मिला समर्थन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भारत की पहली एआई लाइटहाउस सिटी के रूप में राजधानी को स्थापित करने की क्रेडाई भोपाल की पहल को राज्य सरकार से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। क्रेडाई द्वारा प्रस्तुत एआई लाइटहाउस सिटी - क्रेडाई + ओपनएआई विज़न दस्तावेज़ और मैरी मीकर की वैश्विक रिपोर्ट के विश्लेषण के बाद गत शाम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे से हुई बैठक में महत्वपूर्ण बैठक में एसीएस ने आश्वासन दिया कि एक्सप्रेशन ऑफ़ इंटरेस्ट की दिशा में कार्रवाई की जाएगी, और यह विषय ओपनएआई के चीफ़ स्ट्रैटेजिक ऑफिसर के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में मध्यम और लघु स्तर के डेटा सेंटर्स के प्रस्ताव आने लगे हैं।

मैरी मीकर रिपोर्ट में भी संकेत

राजधानी को एआई और स्मार्ट इंडस्ट्री हब बनाने की हसरतों के बीच विश्व प्रसिद्ध टेक विश्लेषक मैरी मीकर की卐एआई ट्रेंड्स 2025卐 रिपोर्ट ने वह भी सारे संकेत दे दिए हैं, जिन पर क्रेडाई भोपाल अप्रेल–मई माह में मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को विस्तृत प्रस्ताव व कॉन्सेप्ट नोट देकर फर्स्ट–मूवर एडवांटेज के लिए ध्यान आकर्षित कर चुका है। 340 पेज की टेक रिपोर्ट 卐एआई ट्रेंड्स 2025 – मैरी मीकर को महत्वपूर्ण बिंदुओं के साथ, कार्ययोजना बना रहे राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम को भेजा है। मीकर की रिपोर्ट में बताया गया है कि- एआई अब केवल तकनीक नहीं, बल्कि नया 'इंफास्ट्रक्चर' है, जैसे बिजली और इंटरनेट। वैश्विक एआई निवेश में हर साल 21त्न की वृद्धि हो रही है। सरकारें अब ओपन–एआई का चैटजीपीटी गॉव जैसे एआई गवर्नेंस मॉडल बना रही हैं। भारत, दुनिया का सबसे बड़ा मोबाइल एआई यूजर बन चुका है। विश्व का 14त्न उपयोग भारत से। रिसर्च, डिजाइन और कस्टमर सपोर्ट जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग से 14–30 फीसदी तक उत्पादकता में सुधार आया है।एआई से कोडिंग का समय 30त्न–50त्न तक घट गया है। 50 फीसदी से अधिक छात्र एआई टूल्स जैसे का उपयोग शैक्षणिक लेखन, कोडिंग और टेस्ट तैयारी के लिए कर रहे हैं। वकीलों की प्रोडक्टिविटी में 25फीसदी–30 फीसदी सुधार हुआ।

सरकार की योजना भोपाल और इंदौर में 'नॉलेज व इंटेलिजेंस ज़ोन' विकसित करने की है, जो आने वाले वर्षों में एआई आधारित इंफ्रास्ट्रक्चर की ज़रूरतों को पूरा करेंगे। इस अवसर पर क्रेडाई ने अपना पूर्ववर्ती पत्राचार, कॉन्सेप्ट नोट, और एआई लाइटहाउस सिटी की ब्रीफ़िंग नोट्स सरकार को औपचारिक रूप से सौंपे। इसमें बिना किसी फंड की माँग के, केवल नीति समर्थन की अपेक्षा, क्रेडाई, कॉरपोरेट, टेक और निजी भागीदार द्वारा टेक्निकल और अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रस्ताव समेत छात्रों, युवाओं, एमएसएमई और महिलाओं के लिए नए अवसर की बात कही गई है। क्रेडाई अध्यक्ष ने मनोज सिंह मीक ने कहा कि यह सिर्फ एक शहरी तकनीकी परियोजना नहीं, बल्कि एक भावी पीढ़ियों के लिए परिवर्तनकारी पहल है।

बरकतउल्ला विवि के प्रभारी कुलसचिव आईके मंसूरी को अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विवि भेजा

पांच विवि के कुलसचिव, एक दर्जन विवि सेवा अधिकारियों सहित सहायक प्राध्यापकों, ग्रंथपालों के हुए तबादले

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के पांच विश्वविद्यालय के कुलसचिव, एक दर्जन विवि सेवा अधिकारियों सहित सहायक प्राध्यापक और ग्रंथपालों के थोकबंद तबादले किए हैं। जारी आदेशों के अनुसार, बरकतउल्ला विवि के प्रभारी कुलसचिव आईके मंसूरी को अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विवि भेज दिया है। उनके स्थान पर शासन ने कोई कुलसचिव नियुक्त नहीं किया है। शासन उनके स्थान की पूर्ति करने के लिये कोई योग्य उम्मीदवार की तलाश कर रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय से प्रभारी कुलसचिव शैलेंद्र जैन को राजाशंकर शाह विवि छिंदवाड़ा भेजा गया है। छिंदवाडा विवि में प्रतिनियुक्ति पर जमे प्रोफेसर युवराज पाटिल को कार्यमुक्त कर दिया गया है। देवी अहिल्या विवि इंदौर के प्रभारी कुलसचिव अजय वर्मा को बीआर अंबेडकर सामाजिक विज्ञान महाविद्यालय महू में प्रभारी कुलसचिव बनाया गया है। जबकि डीएविवि के उप कुलसचिव प्रज्वल खरे को प्रभारी कुलसचिव नियुक्त किया गया है। भोपाल के अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में प्रतिनिधि पर बने हुए डिप्टी रजिस्ट्रार अजीत श्रीवास्तव को बीयू भेज दिया है। बीयू उप कुलसचिव सरिता चौहान को पंडित शंभूनाथ शुक्ल विवि शहडोल में प्रभारी कुलसचिव नियुक्त किया गया है। शहडोल विवि में प्रो आशीष तिवारी प्रतिनियुक्ति पर बने हुए थे। उन्हें कुलसचिव से कार्यमुक्त कर दिया गया है। अब वे उक्त विवि में प्रोफेसर के तौर पर अपनी सेवाएं देंगे। इसके अलावा एआर राकेश कुमार चढार को छतरपुर विवि से रानी अवंतीबाई लोधी विवि सागर, एआर पिंकी मनकानी अवधेश प्रताप सिंह विवि रीवा से बीयू, एआर श्रीमती संध्या मालवीय डॉ बीआर अंबेडकर विवि महू से डीएविवि इंदौर, एआर पुष्पांजलि अजनारे डीएविवि इंदौर से बीआर अंबेडकर विवि महू, एआर अमन अग्रवाल पं. शंभूनाथ शुक्ल विवि शहडोल से महाराज छत्रसाल बुंदेलखंड विवि छतरपुर, एआर दुर्गेश कुमार पेंद्रो महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विवि चित्रकूट से पं. शंभूनाथ विवि शहडोल, पंचम लाल सनोदिया आरडीविवि जबलपुर से रानी अवंती बाई लोधी विवि सागर, एआर सुनीता देवड़ी आरडीविवि जबलपुर से पं. शंभूनाथ शुक्ल विवि शहडोल और एआर पवन साहू पं. शंभू शुक्ल विवि शहडोल से आरडीविवि जबलपुर में पदस्थ किया गया है।

मानसून में बढ़ता है डेंगू-मलेरिया का खतरा;

छतों पर मच्छरों का लार्वा मिला तो कटेगा चालान, भोपाल में किया जाएगा ड्रोन सर्वे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मानसून की एंट्री होने वाली है। इस सीजन में जापानी इंसेफ्लाइटिस, डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसे मच्छर जनित रोगों का खतरा ज्यादा रहता है। इन पर लगाम कसने के लिए मध्यप्रदेश का स्वास्थ्य विभाग अब हाई-टेक मोड पर आ गया है। विभाग इंदौर में सफल ट्रायल के बाद भोपाल और ग्वालियर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जीपीएस आधारित इंटीग्रेटेड ड्रोन सर्विस की शुरुआत करने जा रहा है। इसका उद्देश्य मच्छरों के लार्वा को पनपने से रोकना है।

इसके जरिए शहर की ऊंची इमारतों की छतों, खाली प्लॉटों और अन्य ऐसी जगहों पर जहां बारिश का पानी जमा रहता है, उनकी मॉनिटरिंग की जाएगी। विभाग का मानना है कि इसकी मदद से उन जगहों पर भी मच्छरों की ब्रीडिंग रोकी जा सकेगी, जहां कर्मचारी नहीं पहुंच पाते। वहीं, जिस भवन की छत पर लार्वा मिलेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यदि, यह प्रोजेकट सफल रहा तो इसके आखिरी चरण में साथ-साथ ड्रोन से ही दवा का छिड़काव भी किया जाएगा।

बार-बार कर्ज ले रहे मध्य प्रदेश को केंद्रीय सचिव डॉ गोविल की सलाह

अफसर ब्याज मुक्त कर्ज लेने के विकल्पों पर करें विचार

» केंद्रीय सचिव डॉ. मनोज गोविल ने सीएस जैन की अध्यक्षता में हुई बैठक में दी सलाह

» 23 हजार करोड़ की पीएमजी व प्रगति परियोजनाओं की समीक्षा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केंद्रीय सचिव (समन्वय) डॉक्टर मनोज गोविल सोमवार को मध्य प्रदेश के प्रवास पर थे उन्होंने चीफ सेक्रेटरी अनुराग जैन के साथ केंद्र की चुनिंदा योजनाओं पर मध्य प्रदेश में चल रहे कामकाज को टटोला, कई कामों की उन्होंने खुलकर तारीफ की तो कुछ कामों पर सुधार के सुझाव दिए। इस बीच यह भी कहा कि मध्य प्रदेश के सामने केंद्रीय योजनाओं में ब्याज मुक्त कर्ज लेने के विकल्प खुले हुए हैं। अधिकारियों को इन विकल्पों पर विचार करके कार्य योजना बनानी चाहिए और उसे पर अमल करना चाहिए। इससे मध्य प्रदेश को बड़े वित्तीय फायदे होंगे और रन के रूप में एक बड़ी राशि चुकाने से छूट मिलेगी। यह बैठक मंत्रालय में हुई, जिसमें 23 हजार करोड़ की लागत वाली पीएमजी व प्रगति परियोजनाओं की समीक्षा की। सीएस व केंद्रीय सचिव की मौजूदगी वाली बैठक में दूरसंचार, सड़क परिवहन, आवास एवं शहरी कार्य तथा रेल मंत्रालय से जुड़ी 9 परियोजनाओं एवं 10 मुद्दों की समीक्षा की। इनमें से झांसी-खैरार-माणिकपुर एवं खैरार-भीमसेन रेल परियोजना, रामगंजमंडी-भोपाल नई रेल लाइन परियोजना, ललितपुर-सतना, रीवा-सिंगरौली एवं महोबा-खजुराहो रेल परियोजनाएं व भोपाल मेट्रो रेल परियोजना पर बात हुई। इनकी अनुमानित लागत करीब 23,000 करोड़ है। सूत्रों के अनुसार बैठक में सीएस अनुराग जैन ने कहा कि बाकी की परियोजनाओं के काम में तेजी लाएं, ये निर्देश उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए।

सिद्धि विनायक मंदिर में 12 किलो चांदी के मंडप में विराजे गणेशजी

हिरदाराम नगर। विजयनगर कॉलोनी स्थित श्री सिद्धि विनायक शिव मंदिर, वीर सावरकर पार्क गणेश चौक लालघाटी में नवम स्थापना दिवस का भव्य और आकर्षक आयोजन किया गया। समिति प्रमुख कुलदीप खरे के नेतृत्व में यह समारोह मनाया गया, जिसमें धर्म और सनातन संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया।

स्थापना दिवस के अवसर पर सुबह समस्त विग्रहों का अभिषेक पूजन, आरती और प्रसादी वितरण किया गया। इस वर्ष यह अनुष्ठान विशेष रूप से तैयार किए गए 12 किलो चांदी के नवस्थापित मंडप में संपन्न हुआ, जहाँ गणेश भगवान चांदी के आभामंडल में विराजित थे। शाम को भव्य श्रृंगार दर्शन आयोजित किया गया, जिसके बाद विशेष एवं महा आरती की गई।

आयोजन में भाजपा के संगठन महामंत्री हित्यानंद शर्मा, दक्षिण-पश्चिम विधायक भगवान दास सबनानी, पूर्व विधायक ध्रुव नारायण सिंह, महापौर मालती राय, भाजपा के मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल और भाजपा नेता चेतन भार्गव शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान 5000 से अधिक लोगों ने भंडारे में प्रसादी ग्रहण की।

मेट्रो एंकर

21 जून को निकलेगी भव्य कलश यात्रा

श्री झूलेलाल कथा व 251 सामूहिक बहिराणा की तैयारियां तेज

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर में भगवान श्री झूलेलाल कथा और सामूहिक पूज्य बहिराणा साहिब के भव्य आयोजन की तैयारियों को लेकर आज पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक पंचायत के सभागृह में संपन्न हुई। इस अवसर पर समाज के गणमान्य नागरिक और विभिन्न समितियों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रभारी निर्मल गंगनानी और लखबू अन्दानी ने बताया कि सिंधी समाज के महान संत लालदास जी के पावन सानिध्य में भगवान श्री झूलेलाल की कथा और 251 सामूहिक पूज्य बहिराणा साहिब का विशाल कार्यक्रम 21, 22, 23 और 24 जून को वन ट्री हिल्स स्थित संत हिरदाराम हाल में आयोजित किया जाएगा। कथा का समय तीनों दिन रात्रि 7 बजे से 9 बजे तक रहेगा, जिसके पश्चात् भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई है।

भव्य कलश यात्रा से होगा आगाज़- माधु चांदवानी ने कार्यक्रम प्रभारी को आश्वस्त करते हुए कहा कि यह बड़े हर्ष की बात है कि हमारे इष्टदेवता भगवान झूलेलाल जी की कथा होने जा रही है और संत नगर इस पावन आयोजन का स्वागत करता है। कार्यक्रम का शुभारंभ 21 जून को कथा के पूर्व एक भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। यह कलश यात्रा झूलेलाल मंदिर एच वार्ड से शाम 5 बजे शुरू होगी, जो मिनी मार्केट, प्रेमचंदानी मार्ग से होते हुए संत हिरदाराम हाल में समाप्त होगी।

सहयोग के लिए बनी कमेटी

बैठक में नव युवक सभा अध्यक्ष वासदेव वाधवानी, पूज्य चालीहा साहिब मंदिर के अध्यक्ष पुरुषोत्तम हरचंदानी, श्री झूलेलाल मंदिर कल्याण मंडलम के अध्यक्ष राज वाधवानी, झूलेलाल चालीहा साहिब समिति के अध्यक्ष शेरु रीझवानी और हीरो हिन्दू ने भी अपने–अपने विचार व्यक्त किए और कार्यक्रम को सफल बनाने की रूपरेखा तैयार की। इस बड़े आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं, जैसे कथा कार्यक्रम, सामूहिक बहिराणा साहिब, कलश यात्रा और भोजन प्रसादी, को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए शीघ्र ही एक कमेटी का गठन किया जाएगा। बैठक में नंद दादलानी, हरीश मेहरचंदानी, माधव पारदासानी, घनश्याम लालवानी, दयाल दोलतानी, राज मनवानी, राम पारदासानी, राजकुमार थावानी, संतोष रायचंदानी, मोहनलाल चंदनानी, बबलू टेकचंदानी, परसराम थावानी, नरेश पेसवानी, रवि टेकवानी, हरीश साधवानी, माधु घनशानी, जानकीलाल भारानी, बूलचंद वासवानी, प्रेम पठानी, लीलाराम मेघानी आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सत्यमेव जयते
उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025
इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएं
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
प्रदेश के कृषि फीडर्स को सौर ऊर्जीकृत करने का अभियान
नवीकरणीय ऊर्जा से समृद्ध होता मध्यप्रदेश
व्यापक निवेश अवसर
'सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना' समिट
10 जून, 2025 | प्रातः 10:00 से सायं 6:00 बजे तक
कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेन्टर, भोपाल
मुख्य अतिथि
मुख्यमंत्री, डॉ. मोहन यादव
समिट के मुख्य आकर्षण
• सौर संयंत्रों की स्थापना हेतु जारी निविदा संबंधी जानकारी
• शासकीय संस्थाओं द्वारा अपनाई जाने वाली स्टैन्डर्ड ऑपरेटिंग प्रक्रिया की जानकारी
• बैंकों एवं इनवर्टर निर्माताओं के साथ परियोजनाओं की वित्तीय एवं तकनीकी व्यवस्थाओं पर परिचर्चा
योजना के प्रमुख उद्देश्य
• मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी को कम मूल्य पर बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित कराना
• ट्रांसमिशन हानि कम करना एवं सीधे खपत स्थल पर बिजली पहुंचाना
• 33/11 केवी उपकेंद्रों पर ओवरलोडिंग, लो-वोल्टेज और पावर कट की समस्या कम करना
• किसान को सिंचाई के लिये दिन में बिजली उपलब्ध कराना
नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार
• सब-स्टेशन की 100% क्षमता तक की परियोजनाओं की स्थापना
• परियोजनाओं को पीएम कुसुम-सी योजनांतर्गत उपलब्ध केंद्रीय अनुदान का लाभ लेने का विकल्प
• 1900 से अधिक विद्युत सबस्टेशन एवं 14500 मेगावॉट क्षमता सौर परियोजनाओं के चयन हेतु उपलब्ध
• पीएम कुसुम योजना में 3.45 लाख पम्प का लक्ष्य
• वोकल फॉर लोकल - स्थानीय उद्यमियों के लिए निवेश एवं रोज़गार सृजन का उचित अवसर
• वित्त पोषण की सुगमता के लिए बैंकों से समन्वय
• परियोजनाओं में AIF के तहत 7 वर्षों तक 3% ब्याज में छूट
• Reactive Power प्रबंधन से अतिरिक्त आय
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
D-11043/25
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

संपादकीय

कनाडा का न्योता और भारत

काफी समय से जी 7 को लेकर भारत में कई किस्म की चर्चा थीं और यह भी कयास था कि भारत को इससे दूर रखा जा रहा है। यह दुनिया की 7 अर्थव्यवस्थाओं का गठजोड़ है, जो ग्लोबल ट्रेड और अंतरराष्ट्रीय फाइनेंशियल सिस्टम पर हावी हैं. इसमें अमेरिका, फ्रांस, जापान, इटली ब्रिटेन, जर्मनी और कनाडा शामिल हैं। पहले इस ग्रुप में रूस भी शामिल था, लेकिन 2014 में जब रूस ने क्राइमिया पर कब्जा किया और रूस को इस ग्रुप को बाहर कर दिया गया। हर साल इसके सातों सदस्य देश बारी-बारी से इसकी अध्यक्षता करते हैं। इस बार कनाडा को जी-7 की अध्यक्षता मिली है। माना जा रहा है कि कनाडा को आखिरकार इस सम्मेलन के लिए भारत को न्योता देना पड़ा। यह नई दिल्ली के बढ़ते वैश्विक कद को दिखाता है। भारत को साथ लिए बिना दुनिया के सबसे ताकतवर और अमीर देशों के लिए भी अपने अजेंडे पर आगे बढ़ना मुश्किल होगा। कहा जा रहा है कि कनाडा के पीएम मार्क कार्नी पर खालिस्तान समर्थक संगठनों का बेहद दबाव था कि उसकी अध्यक्षता में होने वाले जी 7 सम्मेलन में भारत को आमंत्रित न किया जाए। कार्नी सरकार ने शुरुआत में अलगाववादियों की मांग के सामने लगभग हथियार डाल ही दिए थे, लेकिन उनके बयान से जाहिर है कि मंच के बाकी सदस्य देश भारत की भागीदारी चाहते थे और इसके चलते कनाडा को झुकना पड़ा। उस पर यह प्रेशर भी होगा कि मेजबान होने के नाते अगर सम्मेलन सफल नहीं रहता है, तो जवाबदेही उस पर आएगी। लिहाजा कार्नी ने खुद स्वीकार किया है कि एनर्जी,एआई, अहम खनिजों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सबसे प्रभावशाली देशों को आमंत्रित करना जरूरी है। दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे बड़ी आबादी होने के नाते भारत का इस सम्मेलन में होना स्वाभाविक है। यह नई दिल्ली नहीं, इस मंच और बाकी दुनिया के हित में है कि भारत इसका हिस्सा बने। कनाडा ने आखिरी वक्त पर भारत को आमंत्रित किया, वह भी विवाद के बाद। बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे स्वीकार किया। यह भारत के जिम्मेदारी भाव और बड़प्पन को दर्शाता है कि कूटनीतिक तकाजों से अलग उसने हालात के मुताबिक फैसला लिया। पीएम ने अपने संदेश में कहा है कि भारत और कनाडा आपसी सम्मान व साझा हितों के मार्गदर्शन में मिलकर काम करेंगे। इसके मायने हैं कि भारत पिछली कड़वाहट को भुलाकर कनाडा के साथ संबंध सुधारने को तैयार है, लेकिन क्या कार्नी सरकार भी तैयार है? इसके लिए उसे अपने यहां मौजूद कट्टरपंथी और अलगाववादी तत्वों के प्रेशर से बाहर निकलना होगा। भारत को बुलाना भले कनाडा की मजबूरी रही हो, लेकिन अब उसके पास इस अवसर का फायदा उठाने और अपनी गलती सुधारने का मौका है। पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो के दौर में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर के चलते जो रिश्ता बिगड़ गया, कनाडा अब उसे सुधार सकता है। लेकिन कनाडा के लोग और वहां की सरकार के अन्य हिस्से क्या सोचते हैं यह सब भी महत्वपूर्ण है। उल्लेखनीय होगा कि कनाडा में भारतीय मूल के लाखों लोग बसे हुए हैं। पिछले साल दरअसल भारत और कनाडा के संबंध इतने ज्यादा बिगडे थे कि इसे सबसे खराब दौर माना गया था। पिछले पीएम की तरह ही नए पीएम ने भी कुछ अजब रुख भारत के प्रति दर्शाया था लेकिन अब यदि वे भारत की महत्ता को जान गये हैं तो यह बीती ताहिं बिसार के आगे बढने का वक्त हो सकता है। इस समिट में अमेरिका, फ्रांस, जापान, इटली, ब्रिटेन, जर्मनी और कनाडा की भागदारी है। भारत जी-7 का हिस्सा नहीं है, लेकिन वो इस समिट में हिस्सा लेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि आमतौर पर मेजबानी करने वाला देश ही ऐसे किसी अन्य देश को न्योता देता है जो जी-7 का हिस्सा नहीं हैं।

नये कश्मीर के लिए नई उम्मीद जगाती एक ट्रेन

नए कश्मीर में मिज़ाज बदला-बदला सा है, बेचारा असीम मुनीर। तथाकथित 'दो-राष्ट्र सिद्धांत' को दलदल से बार-बार बाहर निकालने की पाकिस्तान की हसरतों को किसी और ने नहीं बल्कि उसी कश्मीरी ने नाकाम कर दिया, जिसके नाम पर इस सिद्धांत को उछाला जाता है...

■ ज्योति मल्होत्रा

वर्ष 1897 में हुई सारागढ़ी की लड़ाई के एक साल बाद (वह इलाका अब पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत में है) और लगभग उस वक्त, जब चीन एक विदेशी शासन के खिलाफ विद्रोह (जिसे बॉक्सर विद्रोह के रूप में जाना जाता है) में लिप्त था, 1898 में डोगरा महाराजा प्रताप सिंह ने तत्परता से ब्रिटिश इंजीनियरों को रेलवे लाइन बनाने के वास्ते नियुक्त किया था, वह जो उनके राज के जम्मू संभाग को कश्मीर घाटी से जोड़ सके। आज जब कटरा से वंदे भारत ट्रेन पहली बार श्रीनगर के लिए निकली जिसकी सभी टिकटें बिक चुकी थीं दुनिया के कुछ सबसे खूबसूरत दृश्यों के बीच से होते हुए और साथ ही हिंदू-बहुल जम्मू और मुस्लिम-बहुल कश्मीर के दिलो-दिमाग को जोड़ते हुए, तो महाराजा का वह सपना आखिरकार फलीभूत हो गया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के माध्यम से रेलवे और केंद्र के सभी बुनियादी ढांचा मिशनों को आगे बढ़ाने का पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी ले सकते हैं,न केवल चिनाब पर इंस्टा-रेडी आर्च ब्रिज बनाने के लिए, बल्कि जम्मू और कश्मीर घाटी के बीच 272 किलोमीटर लंबी पटरियों पर 38 सुरंगों और 927 पुलों के लिए भी।

सात जून निश्चित रूप से खास है- पाकिस्तान में आतंकियों के कई मुख्य ठिकानों पर 7 मई को किए गए हमले के ठीक एक महीने बाद, जिसमें वहां के पंजाब प्रांत के बीचों-बीच मुरीदके और बहावलपुर स्थित अड्डे भी शामिल थे, पहली बार यह रेलगाड़ी चली है। ट्रेन पर सवार यात्री पर्यटक होने से कहीं अधिक थे; वे दो विचारों के बीच मेल की जीवंत पुष्टि कर रहे थे। पहला, कि गोलियां बहादुरों को नहीं रोक सकतीं और दूसरा, कि केवल कायर ही अपने प्रतिद्वंद्वी को अपनी बात समझाने के लिए मतपत्र की बजाय उसे मिटाने के लिए गोलियों का इस्तेमाल करते हैं।कश्मीर के लिए यह ट्रेन मरहम और प्रमाण, दोनों का काम करती है ङ्क वास्तव में तीन किस्म का प्रमाण। पहलगाम के नृशंस नरसंहार के कारण अमीर खुसरो की जन्नत में पर्यटन लगभग ठप्प सा हो गया था। कश्मीरियों ने मस्जिदों से और सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करके अपना दुख और गुस्सा जाहिर किया। यह इस बात का पहला सबूत है कि नए कश्मीर में मिज़ाज बदला-बदला सा है। बेचारा असीम मुनीर। तथाकथित 'दो-राष्ट्र सिद्धांत' को दलदल से बार-बार बाहर निकालने की पाकिस्तान की हसरतों को किसी और ने नहीं बल्कि उसी कश्मीरी ने नाकाम कर दिया, जिसके नाम पर इस सिद्धांत को उछाला जाता है। वे 1947 में यह नहीं चाहते थे और 2025 में भी ऐसा नहीं चाहते। पाकिस्तान के सेना प्रमुख एक 'सयाने' व्यक्ति हैं; अब समय आ गया है कि वे कश्मीरी आवाम के इस संदेश को बूझें और समझें ‑'कश्मीर को अकेला छोड़ दो'। मुनीर और उनके सैन्य प्रतिष्ठान को पता होना चाहिए कि पहलगाम हिंसा अनुच्छेद 370 के ताबूत में आखिरी टेढ़ी कील साबित होगा। कश्मीर के अंदर तमाम वो लोग जिन्होंने 2019 में अपने 'विशेष दर्जे' के अंत का शोक मनाया था, और आज भी 'आज़ादी' रूपी भ्रम में यकीन रखते हैं, आज, इस बड़े खेल के बड़े जोखिम को अब पूरी तरह से समझ गए होंगे।

शायद, प्रधानमंत्री मोदी को भी जम्मू और कश्मीर में सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न होने के बाद गुजरे नौ महीनों को लेकर कुछ आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। और सवाल करें कि असीम मुनीर के 'दो-राष्ट्र सिद्धांत' के खिलाफ सबसे अच्छे हथियार के रूप में पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली, उस सूबे को क्यों नहीं दी जा सकती, जिसने लोकतंत्र के पक्ष में जी-जान से मतदान किया ङ्क और इस प्रकार भारतीय संघ के साथ एकीकरण किया। विडंबना का इसके अधिक सबूत क्या होगा- जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जिन्हें अनुच्छेद 370 समाप्त करने के बाद हर विरोध को कुचलने के उपायों के अंतर्गत 5 अगस्त, 2019 को नजरबंद कर दिया गया था, शुक्रवार को चिनाब पुल पर प्रधानमंत्री की बगल में खड़े थे और

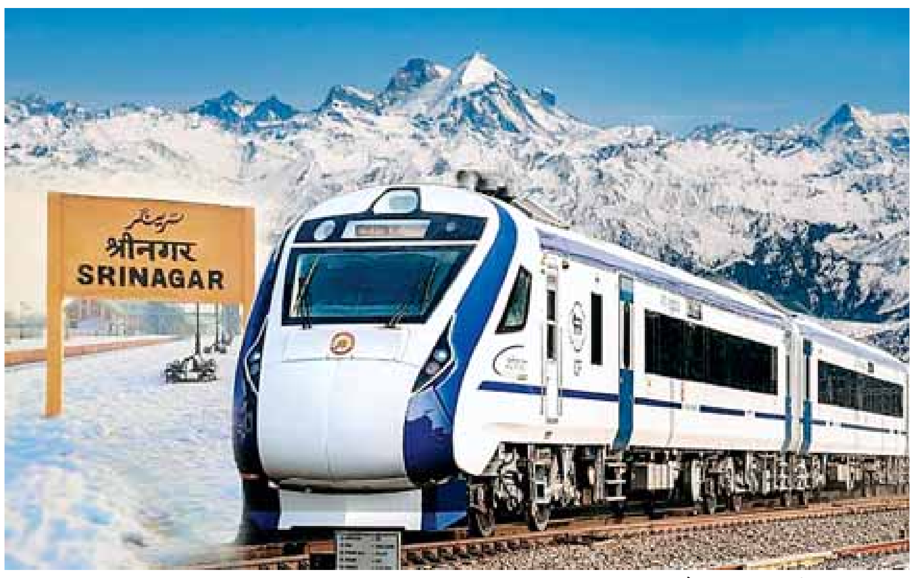

जहां उन्होंने पूछा कि उनका रुतबा एक पूर्ण राज्य के मुख्यमंत्री से घटाकर केंद्र शासित प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में क्यों किया गया। जहां उनके इन शब्दों में हास्य और शालीनता, दोनों थे, वहीं दर्द भी झलक गया। आम कश्मीरी राजनेता, खासकर मुख्यमंत्री, जिसे वहां वजीर-ए-आला कहकर पुकारा जाता है, क्या वजीर-ए-आला (प्रधानमंत्री) उसे भरोसा करने लायक नहीं समझते?

सच तो यह है कि कानून एवं व्यवस्था, सुरक्षा, पोस्टिंग और अभियोजन के मामलों में लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा के पास मुख्यमंत्री अब्दुल्ला की तुलना में कहीं अधिक शक्ति है। अब्दुल्ला चाहते तो नाममात्र के मुख्यमंत्री बना दिए जाने पर अपनी भड़ास पहलगाम में साइकिल चलाकर या गुलमर्ग में स्कीइंग करके निकाल सकते थे, क्योंकि जो काम कायदे से उनका है, वह शक्ति संपन्न बना दिए गए उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा कर रहे हैं। लेकिन उमर अब्दुल्ला ने अपने काम की रूपरेखा को फिर से गढ़ा है, नए कश्मीर का नया मुख्यमंत्री, जो उन लोगों तक पहुंच रहा है और उनका दर्द कम करने की कोशिश कर रहा है, जिन्होंने गुजरे सालों में काफी भुगता है। भगवान जाने, उन्हें लंबा रास्ता तय करना है। इस काम की रूपरेखा को यह दरकार भी है कि आप अपने निजी अभिमान और अहंकार को निगल लें, खासकर इसलिए भी क्योंकि केंद्र में सत्ता में बैठे अपने वैचारिक प्रतिद्वंद्वियों के साथ काम करने के लिए यह जरूरी है। उनके सहयोग बिना, आपको मालूम हो कि आप कुछ भी नहीं हैं। दूसरा प्रमाण वह है, जो दर्शाता है कि कश्मीर में चीजें कैसे बदल गई हैं। युवा अब्दुल्ला जानते हैं कि उन्हें न केवल उन्हीं प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह से राबता रखना है जिन्होंने उनको नजरबंद किया था- बल्कि वे एक मुरझाते हुए इंडिया गठबंधन के प्रति अपनी वफादारी के बारे में अधिक नहीं सोच सकते। तीसरा प्रमाण पीएम मोदी का अपना है। कटरा में उन्होंने कहा 'पहलगाम में इंसानियत और कश्मीरियत, दोनों पर हुआ हमला।' उन्होंने 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी के दिए एक नारे का हवाला दिया, जब पूर्व प्रधानमंत्री ने कश्मीर को मरहम लगाने की आवश्यकता बताई थी और कहा था कि सभी कश्मीरियों के साथ बातचीत 'कश्मीरियत, इंसानियत और जम्हूरियत' के व्यापक दायरे में हो सकती है। क्या इससे प्रधानमंत्री का अभिप्राय यह है कि भारत के मुकुट के रत्न के लिए एक नया 'हीलिंग टच' तैयार किया जा रहा है? पिछले साल चुनावों के दौरान भी इनमें से कुछ अवयव निश्चित रूप से मौजूद थे, जब जमात-ए-इस्लामी उम्मीदवारों को जेल से रिहा करके, चुनाव लड़ने की अनुमति दी गई। इससे पहले भी जमात के साथ परदे के पीछे बातचीत के प्रयास जारी रहे हैं; इस साल की शुरुआत में, जमात के पूर्व सदस्यों ने मिलकर एक नई राजनीतिक पार्टी, जस्टिस एंड डेवलपमेंट फ्रंट का गठन किया था। रेलगाड़ी का काम है लोगों, सामान और विचारों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाना। कश्मीर के लिए यह रेलगाड़ी पहले से ही नई चर्चाओं को जन्म दे रही है। शायद इसने अपना उद्देश्य पूरा कर लिया है। जम्मू-कश्मीर में अब हालात पहले जैसे कभी नहीं रहेंगे।

- साभार

आज का इतिहास

- 1912 20 वीं सदी के सबसे बड़े विस्फोट ने अमेरिका के अलास्का प्रायद्वीप में नोवारुप्त ज्वालामुखी का निर्माण किया।
- 1916 अमेरिका के ईस्ट क्लीवलैंड में महिलाओं को वोट का अधिकार दिया गया।
- 1919 फिनलैंड ने बोलशेविक के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- 1919 हंगरियन रेड आर्मी ने रिपब्लिक ऑफ प्रीकममुर्जे पर हमला किया।
- 1919 प्रिकुमर्जे एक अपरिचित राज्य था। यह हंगरी का एक क्षेत्र था जिसे पारंपरिक रूप से वेंडीविदक के रूप में जाना जाता था। यह कम्युनिस्ट और विरोधी कम्युनिस्ट ताकतों के बीच युद्ध के दौरान आक्रमण किया गया था।
- 1926 मिस्र में एडली पाशा के नेतृत्व में सरकार बनी।
- 1946 राष्ट्रीय बास्केटबॉल संघ की स्थापना की गई। राष्ट्रीय बास्केटबॉल संघ एनबीए केवल 11 टीमों के साथ शुरू होता है। यह प्रीमियम पुरुषों की पेशेवर बास्केटबॉल चैम्पियनशिप है। आजकल भाग लेने वाली टीमों की संख्या 30 हो गई है जिसमें दुनिया के विभिन्न देशों के कई अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल हैं।
- 1971 लंबी खान की लड़ाई की लड़ाई शुरू हुई। लड़ाई ऑस्ट्रेलियाई और वियतनामी कम्युनिस्ट ताकतों के बीच लड़ी गई थी। यह युद्ध वियतनामी युद्ध के दौरान हुआ था।
- 1971 सोयूज 11 को सोयुज कार्यक्रम के दौरान लॉन्च किया गया था। यह एक मानवयुक्त मिशन था जो क्रू टी स्पेस स्टेशन पर सवार था। मिशन समस्याओं के कारण विफल हो गया और सभी 3 क्रू सदस्यों की मृत्यु हो गई।
- 1971 वियतनाम वॉर-द ऑस्ट्रेलियन आर्मी ने लोंग खान की लड़ाई में एक भारी किलेबंद कम्युनिस्ट फोर्स बेस बेस कैंप पर हमला किया।
- 1971 ह्यूजेस एयरवेस्ट फ्लाइट 706 कैलिफोर्निया के डुआर्टे के पास एक अमेरिकी मरीन कॉर्प्सएफ -4 बी फैंटम द्वितीय से टकरा गई, जिससे सभी लोगों की मौत हो गई।
- 1975 दक्षिणी वियतनाम में अस्थाई क्रांतिकारी सरकार का गठन।
- 1982 लेबनान में एक युद्ध शुरू हुआ जब इजरायली बलों ने फिलिस्तीन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन के सदस्यों को जड़ से खत्म करने के लिए दक्षिणीलेनबॉन पर हमला किया।
- 1984 यूएसएसआर में टेट्रिस जारी किया गया था। यह सभी समय के सर्वश्रेष्ठ वीडियो गेम में से एक था। इसने दुनिया भर में ख्याति प्राप्त की। यह मूल रूप से अलेक्सी पजीतनोव द्वारा डिजाइन और प्रोग्राम किया गया था।

गुण किसी तुच्छ व्यक्ति से भी सीखे जा सकते है।

निशाना

बेकाबू अपराध !

बढ़ रहीं घटनाएं ।
बेकाबू अपराध ।।
नए नवेले दूल्हा दुल्हन ।
रहे निशाना साध ।।
समय अचानक ऐसा ।
है चढ़ा परवान ।।
हनीमून पर जा रहे ।
लौट रहे बेजान ।।
शातिराना आज ।
चली जा रही चाल ।।
है ऐसा सुरुर ।
हुआ अजब है हाल ।।
है भयभीत समाज ।
ये चर्चा चहुंओर ।।
मौत घाट उतार कर ।
तोड़ दे रहे डोर ।।

-कृष्णेन्द्र राय

आंसुओं और वेदना ने जन्म दिया जन परिषद को

■ रामजी श्रीवास्तव

कॉलेज से पढ़कर निकला था, इस उम्र में अधिकतर किसी भी युवा के समान मैं भी कविताएं लिखने लगा। लेकिन प्रेम गीत नहीं बल्कि रोटी और अभावों की कविता। इसी कारण से हम चार यार कभी कभी कविता या साहित्य पर विमर्श के लिए, बैठ जाते थे। हम कविता के नए नए खिलाड़ी थे पर कहते हैं कि थे बहुत प्रभावकारी। इसलिए जो उस समय के स्थानीय एवं तथाकथित वरिष्ठ कवि थे, उनके साथ हम लोग असहज महसूस करते थे। एक शाम हम चार यारों ने तय किया कि हम खुद अपनी एक संस्था बना लेते हैं। अपन खुद अपनी गोष्ठियां करेंगे और एक बड़ी लाइन खींचेंगे। उत्साह इतना कि दस पंद्रह मिनट में एक मित्र ने संस्था का नाम भी सुझा दिया - जन परिषद। हमने खूब गोष्ठियां की, खूब पेपरों में न्यूज प्रकाशित हुई। उत्साह बढ़ता ही जा रहा था। इसी लय में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन भी करवा लिए। बैतूल में जन परिषद स्थापित होने लगी। तीन चार साल के बाद जिले के दूरस्थ और निर्जन गांव पलस्या के आसपास के चार-पांच गांवों में कुपोषण के कारण, मात्र छह सात दिनों में करीब 23 बच्चों की मौत हो गई। पता चला कि यह पहली बार नहीं हुआ बल्कि ये तो औसतन मौतें है जो प्रतिवर्ष होती हैं।

इस समाचार के प्रति प्रशासन ने कभी कोई गंभीरता नहीं दिखाई। बस क्या था हम दो तीन पत्रकारों की संवेदनाएं, हमें झकझोरने लगीं। मैं उस समय दैनिक भास्कर का बैतूल ब्यूरो चीफ था।सुबह हम दो पत्रकार साथी निकल पड़े, ग्राम पलस्या की ओर। गांव पहुंचे तो 23 बच्चों की मौत के बाद होने वाली सायं सायं करती श्मशान सी खामोशी से हम लोगों का साक्षात्कार हुआ। किसी कवि की एक पंक्ति याद आयी कि ÷हर तरफ मरघटी सन्नाटों का साया है ÷। पता चला कि 23 बच्चों की किलकारियां खामोश हो जाने के बाद अभी भी गांवों में कुछ और बच्चे जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। एक-एक करके उनके घर गए तो आंखों में आंसू आ गए। दवाई तो एक-दो ही घर में दिखी। बाकी घरों में तो पेट भरकर खाने के लिए अनाज तक नहीं था। पीने के लिए बड़ी आबादी के लिए केवल एक हैंडपंप। गर्मियों में स्वयं हैंडपंप, पानी मांगने लगता था। वहीं खड़ी एक नर्स बताती है कि वास्तव में ग्रामीण जन, अज्ञानता वश वैक्सीन नहीं लगवाते हैं और बच्चों को पौष्टिक डाइट भी नहीं देते हैं। नर्स की बात सुनकर, कई ग्रामीण जन उबल पड़े कि खाने को, रोटी तो है नहीं, पौष्टिक आहार कहां से लाएं? एक पत्रकार के नाते मैं सारी जानकारी नोट कर रहा था लेकिन दिमाग की नसें फटी जा रही थी कि इस देश की आत्मा इतनी बदहाली, गरीबी, अशिक्षा और अभावों में तड़प रही है। उसी काल में, महानगरों में लोग कलर्ड टीवी के लिए संघर्ष कर रहे थे और पलस्या जैसे गांव रोटी के लिए। मुझे आज भी याद है उस दिन मुझे दुष्यंत कुमार की पंक्ति, कि, यूं तो अक्सर चीखता है आदमी तकलीफ में, इतनी खामोशी से लेकिन आज तक चीखा न था, का पहली बार जमीनी अर्थ समझ आया।

हम लोगों के दिमाग से कविता, गोष्ठी और साहित्य सब रफूचक्कर हो गए और मेरे हिसाब से दरअसल, उन्हीं दिनों जन परिषद का असली जन्म हुआ। मित्रों ने तय किया कि पहिले तो जन परिषद उन गांवों में दवाई, राशन और अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था करेगी। उस गांव में जहां नर्स भी जाने से कतराती थी, वहां आपकी अपनी जन परिषद के प्रयासों से सिविल सर्जन, डी एच ओ, कलेक्टर, जनप्रतिनिधिगण और अन्य अधिकारी पहुंचने लगे। जन परिषद ने स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए, ग्रामीणों को वैक्सीन के महत्व समझाए, ग्रामीणों के लिए पौष्टिक सोया पंजीरी का वितरण करवाया। उस गांव के साथ-साथ अन्य चार गांवों में नेत्र शिविर आयोजित करवाए। एक अच्छे कार्य के लिए मेरे मित्रों और बैतूल के कुछ नागरिकों ने जी भरकर जन परिषद की पीठ ठोकी और बस यही से जन परिषद की रचनात्मक यात्रा का असली प्रादुर्भाव हुआ।

जन परिषद का 36वां स्थापना दिवस

एक अच्छे कार्य के लिए लोगों ने जी भरकर जन परिषद की पीठ ठोकी और बस यही से जन परिषद की रचनात्मक यात्रा का असली प्रादुर्भाव हुआ...

लगभग उसी दौरान बैतूल में एनके त्रिपाठी पुलिस अधीक्षक बनकर आ गए। उनकी सहजता, तर्कसंगत एवं रचनात्मक कार्यों को पूरा संरक्षण प्रदान करने, छोटे एवं अभावग्रस्त लोगों को भी पूरी तब्बजो देने जैसी अनेक ऐसी बातें थी जो हम युवकों को पूरी तरह भा गई और उन्हें शायद हम लोगों की लगन और प्रतिबद्धता और बस यहीं से प्रारंभ हुआ जन परिषद की पगडंडियों से राजमार्गों की रचनात्मक यात्रा की शुरुआत। वे, डॉ मंगल प्रसाद जी अग्रवाल और श्री विजय खंडेलवाल जी (कालांतर में जो तीन बार बैतूल हरदा के सांसद भी चुने गए थे) हमारे प्रमुख मार्गदर्शक और व्यवहारिक रूप में हमारे संरक्षक बन गए। बस फिर क्या था जन परिषद 'गैलेपिंग' करने लगी। आज त्रिपाठीर की डायनेमिक लीडरशिप, सभी सीनियर मेंबर्स के आशीर्वाद और मित्रों के संबल से, जन परिषद पूरे देश में 275 से अधिक चैप्टर्स का समृद्ध परिवार बन चुका हैं। ढेर सारी उपलब्धियां और प्रतिष्ठित अतिथियों का जन परिषद में आना, हमारे उत्साह को दिन दूनी रात चौगुना बढ़ा रहा है।

आज जनपरिषद जिस मुकाम पर है, उसका श्रेय निश्चित रूप से हमारे चेयरमैन एवं पूर्व डीजीपी एनके त्रिपाठी की डायनेमिक लीडरशिप, सबके प्रति समभाव एवम हमारे अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के मार्गदर्शन एवम दोस्तों की जिंदादिली को जाता है द्य 36 वर्ष की यात्रा कम नहीं होती इसलिए आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं तो हमें ऐसे कई मित्रों की याद आती है जो उस समय भीषण गर्मी या ठंड में भी मोटरसाइकिलों पर पूरे आनंद के साथ काम करते रहे और जनपरिषद का झंडा उठाए रहते थे द्य पर हां उनकी आंखों में एक सपना था, एक जुनून था कि जन परिषद को रचनात्मकता का एक अभूतपूर्व कारवां बनाना है और कालांतर में यही सपना हम सबकी ताकत बनती गई द्य आज एसी कारों में भी जब हमें थकान का एहसास होने लगता है तो वो मोटरसाइकिल पर घूमने वाले दिन हमें रोमांचित भी करते हैं और प्रेरित भीद्य इसी प्रक्रिया से जन परिषद को और लोग मिलते गए और मिलते जा रहे हैं द्य और हम भी शनै शनै अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते जा रहे हैंद्य प्रभु से प्रार्थना करते हुए कि वो अपना आशीर्वाद हम सबको इसी प्रकार प्रदान करते रहें

संस्था की जो भी उपलब्धियां हैं वे इस मायने में उल्लेखनीय हैं कि संस्था ने जो कुछ भी थोड़ा बहुत अर्जित किया है, वह अपने सदस्यों की मेहनत और लगन से किया है। जबसे जन परिषद के देश भर में 275 और विदेशों में 7 चैप्टर्स बने हैं तबसे हमारी सक्रियता और उपलब्धियों में चार चांद लग गए हैंद्य इस लंबी किंतु निष्कलंक यात्रा में, कष्ट भी कम नहीं हुए। हमारे कई समर्पित दोस्त एक के बाद एक, दुनिया छोड़ते गए।किसी भी दोस्त के जाने पर थोड़ा ठहराव भी आ जाता था, तब हमें मुकेश की ये पंक्तियां काफी प्रेरित करती थीं कि, है कौन सा वो इंसान यहां पर जिसने दुख न झेला...इस गाने से प्रेरित होकर और उन्हीं मित्रों के सपनों की कसम खाकर हम बाकी लोग फिर आगे बढ़ते रहे। इसी क्रम में कई नए और बहुत अच्छे सहयात्री भी मिलते गए। सबका उल्लेख तो नही किया जा सकता, लेकिन हां सबके प्रति साधुवाद जरूर व्यक्त करना चाहता हूं।

तहसील-ब्लॉक स्तर पर लागू करें ई ऑफिस प्रणाली, अधिकारी सुनिश्चित करें कार्यवाही : कलेक्टर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाते हुए सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों का समाधान तत्परता से किया जाए। शिकायतकर्ता से समक्ष रूप से मिलकर उनकी समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित किया जाए। सीएम डैशबोर्ड पर मुख्य निष्पादन संकेतकों के अनुरूप पोर्टल पर प्रविष्टियों के साथ-साथ संबंधित रिपोर्टों को भी समय पर अद्यतन किया जाए। जल गंगा संवर्धन अभियान की अवधि में हो रहे कार्यों की निरंतर निगरानी की जाए। सभी एसडीएम ई-ऑफिस से संबंधित आवश्यक जानकारी निर्धारित प्रपत्र में अद्यतन कर जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक को उपलब्ध कराएं। उक्त निर्देश कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने साप्ताहिक समय सीमा की बैठक के दौरान जिला अधिकारियों को दिए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई, उच्च न्यायालय एवं आयोगों में लंबित प्रकरण, जल गंगा संवर्धन अभियान तथा ई-ऑफिस से संबंधित कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

समय सीमा की बैठक के दौरान सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने जिले की वर्तमान प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए समस्त विभागों के जिला अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि प्रदेश लेवल पर रैंकिंग एवं ग्रेडिंग में किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। कलेक्टर ने समस्त विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी एक सप्ताह में ब्लॉक, तहसील एवं जिला स्तर पर दर्ज शिकायतों के निराकरण करते हुए ए ग्रेड प्राप्त किया जाए साथ ही जिले की प्रदेश स्तर पर रैंकिंग में भी सुधार करने के लिए अधिकारी कड़ी मेहनत करें। उन्होंने पिपरिया केसला तथा सिवनी मालवा तहसील के खराब ग्रेडिंग पर असंतोष व्यक्त करते हुए निर्देश दिए की इस प्रकार के प्रदर्शन की पुनरावृत्ति ना हो यह सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि फील्ड लेवल पर अधिकारियों की सक्रियता सक्रियता बढ़ाई जाए साथ ही अपने भ्रमण एवं निरीक्षण के दौरान मौके पर ही शिकायतकर्ताओं को समक्ष रूप से मिलकर उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने महिला एवं बाल विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि 500 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों के निराकरण में तेजी लाई जाए।

समय सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर ने समाधान ऑनलाइन के चिन्हित बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि समाधान ऑनलाइन के अंतर्गत चिन्हित शिकायतों में एफसी योग्य प्रकरणों की जांच कर आवश्यक प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए जाएं। इस प्रमाण पत्र में यह स्पष्ट रूप से उल्लेख होना चाहिए कि प्रकरण एफसी योग्य है और उसमें किसी प्रकार की त्रुटि नहीं है।

कलेक्टर ने समस्त जिला अधिकारियों को सीएम डैशबोर्ड पर विभागवार चिन्हित केपीआई के अनुसार लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि पोर्टल पर संबंधित जानकारी को समय-समय पर अद्यतन किया जाए तथा अद्यतन रिपोर्ट भी अपलोड की जाए। जनपद पंचायत सीईओ एवं नगर पालिका सीएमओ को विशेष रूप से निर्देश दिए गए कि कर्मकार मंडल से जुड़े समस्त प्रकरणों में पंजीयन के उपरांत संबंधित कार्यवाहियों को शीघ्रता से पूर्ण किया जाए। साथ ही अनुग्रह सहायता के मामलों में भी अनावश्यक विलंब न करते हुए प्रकरणों को जल्द से जल्द आगे बढ़ाया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि डीएससी (डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट) हस्ताक्षर के कारण कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहना चाहिए।

सडकों को गड्ढा मुक्त करने के लिए विशेष अभियान

लोक निर्माण विभाग ने लांच किया 'लोक पथ' एप

नर्मदापुरम। कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग नर्मदापुरम ने बताया कि लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह द्वारा लोक निर्माण से लोक कल्याण के अंतर्गत मुख्यमंत्री, म.प्र. शासन डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में विभागीय लोक पथ एप 11 जुलाई 2024 को लांच किया गया है। जिसमें आम जनता द्वारा मार्ग पर गड्ढा होने पर उसकी सूचना लोक पथ एप के माध्यम से विभाग को दी जा सकेगी। जिसमें विभागीय संधारण की सड़कें एवं ठेकेदार की गांरटी की सड़कें है, उनको गुगल मैप में अंकित कर सम्मिलित किया गया है। उक्त एप पर 3 स्तर के अधिकारी/कर्मचारी को नामांकित किया गया है, जिसमें एल-1 (उपयंत्री) एल-2 (अनुविभागीय अधिकारी) एवं एल-3 (कार्यपालन यंत्री) को नियुक्त किया गया है। एल-1 अधिकारी 07 दिवस में शिकायत को संतुष्टीपूर्ण हल कर शिकायत को बंद कर सकते है एवं एल-1 अधिकारी द्वारा 07 दिवस में शिकायत का निराकरण कर शिकायत को बंद नहीं किया जाता है तो शिकायत एल-2 अधिकारी के पास आ जाएगी। जिसे एल-2 अधिकारी द्वारा 05 दिवस में संतुष्टीपूर्ण हल कर बंद किया जा सकता है। एल-2 अधिकारी द्वारा 05 दिवस में शिकायत को बंद नहीं किया जाता है तो शिकायत एल-3 अधिकारी के पास आ जाएगी जिसे एल-3 अधिकारी द्वारा 03 दिवस में संतुष्टीपूर्ण हल कर बंद किया जा सकता है। साथ ही एल-1, एल-2 एवं एल-3 अधिकारी द्वारा आवश्यक होने पर अन्य किसी अधिकारी /कर्मचारी/ठेकेदार को एल-0 के रूम में नियुक्त किया जा सकता है। जिससे एल-0 द्वारा भी शिकायत का परीक्षण कर निराकरण कर सकता है। उक्त लोक पथ एप को गूगल प्ले स्टोर पर जाकर डाउनलोड कर सकते हैं जिसमें सिटीजन मोबाईल नंबर दर्ज कर प्राप्त ओ.टी.पी. के माध्यम अपनी प्रोफाईल बना सकते है एवं लोक निर्माण विभाग की सड़कों पर गड्ढा दिखे तो फोटो सहित शिकायत दर्ज करा सकते है। वर्तमान में लोक निर्माण विभाग संभाग नर्मदापुरम में लोक पथ एप के माध्यम से कुल 109 शिकायतें प्राप्त हुई है, जिसमें लोक निर्माण विभाग संभाग नर्मदापुरम से संबंधित 99 शिकायतें है, जिसका विभाग द्वारा निराकरण कर दिया गया है एवं शेष 10 शिकायतें अन्य विभाग (नगर पालिका, पी.एम.जी.एस.वाय, ग्राम पंचायत, एम.पी.आर.डी.सी.) से संबंधित थी, जिसकी सूचना संबंधित विभाग को पत्र के माध्यम से दी गई है। इस लोक पथ एप से लोक निर्माण विभाग संभाग नर्मदापुरम की समस्त सड़कों पर सत्त निरीक्षण कर उन्हें आवश्यक सुधार कार्य कर सड़कों को गड्ढा मुक्त कर आवागमन के लिए उपयुक्त बनाया जा सकेगा। राकेश सिंह मंत्री, लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़कों को गडढ़ा मुक्त रखने हेतु वर्षाकाल के पूर्व दिनांक 08, 09 एवं 10 जून को विशेष अभियान चलाया गया है जिसके तहत् विभागीय अमला द्वारा मार्गों का सतत् निरीक्षण किया जा रहा है। मार्गों पर क्षतिग्रस्त पॉट होल्स की लोकपथ ऐप पर शिकायतें की जा रही है ताकि समय सीमा में सुधार कार्य किया जा कर शिकायत का निराकरण किया जा सके।

कलेक्टर -एसपी ने संभावित बाढ़ आपदा से निपटने तैयारियों की समीक्षा की

संभावित बाढ़ आपदा से निपटने पूर्व नियोजित तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश

- समस्त घाटों पर जल स्तर की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए
- सड़कों, पुल-पुलियों की अनिवार्य मरम्मत एवं चेतावनी संकेत किए जाए स्थापित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में संभावित बाढ़ आपदा से पूर्व तैयारियों को लेकर कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा बैठक आयोजित कर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आपदा से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाएं ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी रूप से निपटा जा सके।

कलेक्टर ने जिले में बाढ़ आपदा प्रबंधन के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने निर्देश दिए की जिले के समस्त घाटों पर जल स्तर की सतत

मॉनिटरिंग की जाए एवं जल स्तर बढ़ाने की सूचना तत्काल जिले में स्थित बाढ़ कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने समस्त अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत राहत एवं पुनर्वास केंद्रों का चिन्हांकन कर उनका निरीक्षण करें तथा वहां पर सभी प्रकार की आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर ने निर्देश दिए की आपदा मित्र की सूची तैयार कर संबंधित जनपद पंचायत सीईओ को उपलब्ध कराई जाए तथा सभी सीईओ सुनिश्चित करें कि अन्य आपदा मित्रों को तैयार करने के लिए होमगार्ड टीम से प्रशिक्षण प्रदान करवाया जाए। उन्होंने समस्त सीएमओ को निर्देशित किया कि नगरी क्षेत्र में बड़े एवं छोटे सभी प्रकार के नालों की साफ-सफाई सुनिश्चित करवाई जाए तथा पुनर्वास केंद्रों का चिन्हांकन कर उनका निरीक्षण भी सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने बैठक के दौरान निर्देशित किया कि जिले में राज्य मार्ग को एवं अन्य सामान्य मार्गों पर कटाव एवं दुर्घटना की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए ऐसे मार्गों पर मरम्मत कार्य सुनिश्चित करवाया जाए। उन्होंने वर्षा पूर्व बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दवाइयां तथा अतिरिक्त खाद्य सामग्री राहत केंद्रों पर उपलब्ध करवाने के लिए जिला आपूर्ति अधिकारी एवं सीएमएचओ नर्मदापुरम को निर्देशित किया।

कलेक्टर ने संभावित बाढ़ आपदा से बचाव हेतु मोटर बोट, नाव आदि उपकरण के सुधार कार्य करवाए जाने के भी निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने बचाव सामग्री की आवश्यकता होने पर तत्काल रूप से नवीन सामग्री क्रय किए जाने की कार्यवाही भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि एसडीआरएफ बलों को आवश्यक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाए।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने पीडब्ल्यूडी एवं अन्य संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि जिले में कोई भी पुल पुलिया में मरम्मत की आवश्यकता हो तो उन स्थानों पर आवश्यक रूप से सुधार कार्य सुनिश्चित किया जाए साथ ही अधिक वर्षा के कारण जिन पुल एवं पुलिया पर पानी आ जाता है वहां अनिवार्य रूप से चेतावनी सूचक चिन्ह भी स्थापित करवाए जाएं। पुरानी एवं नवीन पुल पर क्षमता से अधिक भार वाले वाहनों को पूर्णत प्रतिबंधित किया जाए तथा इन पुल एवं पुलिया पर आवश्यक रूप से विभागीय अमले की ड्यूटी भी लगाई जाए।

इसी प्रकार कलेक्टर ने जिले में पंजीकृत जेसीबी क्रेन पोकलेन आदि वाहनों की सूची एवं वाहन मालिकों के मोबाइल नंबर संधारित किए जाने के लिए जिला खनिज अधिकारी एवं आरटीओ को निर्देशित किया। साथ ही संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत सप्लाई बंद होने की स्थिति में उसकी आपूर्ति किए जाने के लिए सुनियोजित कार्य योजना तैयार किए जाने के निर्देश। कलेक्टर ने उपसंचालक पशु चिकित्सा विभाग को निर्देशित किया कि जिले में पशुधन की हानी को दृष्टिगत रखते हुए वर्षा काल के पूर्व दवाइयां चारे एवं भूसे की उपलब्धता तथा वैक्सीनेशन आदि तैयारी पूर्ण कर ली जाए। कलेक्टर ने यह निर्देश भी दिए की प्रत्येक कार्यालय प्रमुख सुनिश्चित करें कि उनके अधीनस्थ कार्यालय में कोई भी भवन क्षतिग्रस्त या जर्जर स्थिति में ना हो। पीडब्ल्यूडी, नगर पालिका एवं जनपद पंचायत यह सुनिश्चित करें कि ऐसे भवनों को डिस्मेंटल करने की कार्यवाही शीघ्र ही सुनिश्चित की जाए। साथ ही जर्जर स्कूल भवनों को भी चिन्हित कर उनमें स्कूल संचालन त्वरित रूप से बंद करवाया जाए। कलेक्टर ने प्रमुख घाटों पर सायरन व्यवस्था किए जाने के भी निर्देश दिए तथा ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ के पूर्व जागरूकता अभियान चलाई जाने के लिए भी निर्देशित किया गया।

क्रांतिकारी भगवान बिरसा मुंडा के विचारों का हम सभी को अनुसरण करना चाहिए

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

धरती आवा भगवान बिरसा मुंडा की शहादत दिवस का कार्यक्रम ग्राम डहरा वमनोदा में आयोजित किया गया जिसमें आदिवासी समाज के भाई बहनों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया कार्यक्रम का शुभारंभ धरती आवा भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण करके किया गया तत्पश्चात उपस्थित वक्ताओं द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित जनता जनार्दन से आवाहन किया कि आज हम सभी को भगवान बिरसा मुंडा जी के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए उन्होंने अल्प आयु में आदिवासी समाज के लोगों के लिए बहुत कुछ किया है हम सभी को उनके बताए हुए मार्ग पर चलना चाहिए मुख्य अतिथि रिटायर अपर कलेक्टर नारायण सिंह ठाकुर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को एकजुट होकर समाज के उत्थान एवं विकास हेतु

कार्य करने की आवश्यकता है अध्यक्षता कर रहे मुकेश ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि नौजवान युवाओं को बिरसा मुंडा के बताए हुए मार्ग पर चलकर अपने हक अधिकारों के प्रति लड़ाई लड़नी चाहिए भूप सिंह ठाकुर ने कहां हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए श्रीमती कौशल्या मेमार ने कहा कि आदिवासी समाज की माताएं बहनें भी किसी से हम नहीं है जय आदिवासी युवा शक्ति जयस के प्रदेश मंत्री श्रीकांत सिंह पोरते ने कार्यक्रम को संबोधित करते कहां की धरती बाबा भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हमेशा संघर्षों से भरा रहा है उन्होंने कम उम्र में ही समाज के उत्थान हेतु कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं बिरसा मुंडा आदिवासी समाज के लिए नहीं बल्कि संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणादायक है उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम सब एक मंच पर आकर समाज के संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक होकर आगे बढ़े तभी समाज का विकास होगा कार्यक्रम का संचालन यशवंत ठाकुर ने किया तथा कार्यक्रम का आभार भगवान सिंह ठाकुर द्वारा किया गया इस अवसर पर मुंशी ,सुरेन्द्र सिंह, दशरथ,मिलन , राममिलन, सोनू, गोलू पोर्ते, गिरधारी परस्ते, नोने लाल, योगेंद्र तेकाम सहित भारी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे

अंतिम लक्ष्य, प्रथम प्राथमिकता

जिले के 83 जनजातीय बाहुल्य ग्रामों के जनजातीय समुदायों को 15 से 30 जून तक शिविरों में मिलेगा लाभ

नर्मदापुरम। प्रमुख सचिव मध्य प्रदेश शासन जन जातीय कार्य विभाग के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री जनजातीय उत्कर्ष ग्राम अभियान धरती आबा में चयनित जिले के 83 जनजातीय वाहुल्य ग्रामों में 15 जून से 30 जून 2025 तक धरती आबा अभियान अंतर्गत शिविरो का आयोजन किया जाएगा। शिविरो मे स्वास्थ्य विभाग, खाद्य विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, कृषि विभाग और राजस्व विभाग के द्वारा जनजातीय समुदायों के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, ई-केवाईसी और दस्तावेजीकरण संबंधी सेवाओं में सुधार, किसान सम्मान निधि, सिकिल सेल रोग एंव परीक्षण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन आदि का लाभ प्रदान किया जाएगा।

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी अपने क्षेत्र के चयनित ग्रामों में शिविर के आयोजन का तिथि वार कैलेंडर बनाकर सभी विभागों को सूचित करेंगे और शिविर का आयोजन करना सुनिश्चित करेंगे। सभी विभाग अपने विभाग से संबंधित योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ प्रदान करेंगे।

लायंस क्लब अध्यक्ष बने विजय अरोरा नवीन कार्यकारणी का हुआ गठन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

गंजबासौदा। लायंस क्लब की सोमवार को एक बैठक आयोजित की गई जिसमें नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया। जिसमें सर्व सम्मति से विजय अरोरा को लायंस क्लब का अध्यक्ष बनाया गया। लायंस क्लब की बैठक में पूर्व अध्यक्ष लायन नीलम रघुवंशी ने लायन विजय अरोरा का नाम प्रस्तावित किया।

लायन आशा अग्रवाल ने समर्थन दिया और सर्वसम्मति से लायन विजय अरोड़ा को 2025 से 2026 तक का क्लब का नवीन अध्यक्ष घोषित किया गया। चार्टर प्रेसिडेंट लायन विनीता गोयल ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष विजय अरोरा, उपाध्यक्ष नीलम रघुवंशी, सचिव मधुलता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष आशा अग्रवाल को नियुक्त किया गया। वर्तमान अध्यक्ष लायन माधवी भाटिया ने सभी पदाधिकारी और नवीन कार्यकारणी का स्वागत किया गया।

मेट्रो एंकर **अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति ने चलाया स्वच्छता अभियान**

कायस्थ समाज के साथ , प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को भी सफाई करना चाहिए : शर्मा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय कायस्थ मातृशक्ति के साथ अन्य समाज, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को मां नर्मदा के घाटों पर स्वच्छता अभियान चलाना चाहिए। हमें सफाई की ज्यादा जरूरत है ताकि हमारे घाट साफ और स्वच्छ हो सके। साफ सफाई से पानी के नीचे तक की सीढ़ियां दिखने लगीं हैं। ट्रॉली भरकर कचरा निकाला जाता है। यह जवाबदारी हम सभी की है कि हम घाटों की सुरक्षा करें। यह बात मप्र तैराकी संघ के अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता पीयूष शर्मा ने चित्रगुप्त घाट पर अखिल भारतीय कायस्थ मातृशक्ति द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के दौरान रविवार को कही। उन्होंने कहा कि हमें जन जागरूकता की जरूरत है। प्रशासन भी इसमें मदद करेगा ताकि यहां ज्यादा से ज्यादा काम हो सके। उन्होंने कहा कि कायस्थ समाज मातृशक्ति द्वारा यह कार्य किया जा रहे

हैं सराहनीय है। मैं भी यहां पर आना चाहता था और आज मुझे मौका मिला है इसके लिए मैं आपका धन्यवाद देता हूं और सभी का आभारी हूं। घाट के किनारे से भारी मात्रा में कचरा किनारे से निकाला गया। इस मौके पर नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा, ज्योति वर्मा , श्रीमती सुमन वर्मा, केशव वर्मा, रश्मि सक्सेना, प्रीती खरे , सीबी खरे, ममता सेन, लालता प्रसाद, मंजू श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

इस अवसर पर समाज के केशव वर्मा ने कहा कि नर्मदा के इस स्वच्छता अभियान में हम सब मिलकर मां नर्मदा को स्वच्छ सुंदर बनाने के लिए अभियान में जुड़कर निरंतर कार्य कर रहे हैं। हम सब का प्रयास है कि नर्मदा के किनारे घाटों पर जो गंदगी और कचरा रहता है उसे हम इकट्ठा करके डस्टबिन में डालें और लोगों से अपील करते हैं कि नर्मदा को स्वच्छ सुंदर बनाएं, गंदगी ना फैलाएं । नर्मदा में किसी प्रकार से केमिकल, साबुन, सोडा का उपोग न करें।

रोजगार मेले का आयोजन 12 को

नर्मदापुरम। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग (एमएसएमई) तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय, नर्मदापुरम द्वारा युवाओं के लिए स्वरोजगार, रोजगार और अप्रेटिसशिप के लिए अवसर उपलब्ध कराने के लिए युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला का आयोजन 12 जून 2025 गुरूवार को प्रातः 11 से सायं 4 बजे तक शासकीय पॉलिटेक्नक कॉलेट, इटारसी जिला नर्मदापुरम में किया जाएगा। मेले में छात्र-छात्राओं को निजि क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार हितधारकों के लिये स्टॉल लगाये जायेंगे। रोजगार एवं स्वरोजगार के इच्छुक युवक एवं युवतिया लिंक https://forms.gle/ UZyFZ|Vhy DaMvibHA पर अपना पंजीयन कर सकते है। युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला में परियोजना अधिकारी नगरीय विकास एवं आवास विभाग, खादी ग्राम उद्यद्योग बोर्ड जिला नर्मदापुरम, कुटी ग्राम उद्योग नर्मदापुरम, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं पशु पालन विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग नर्मदापुरम, सहायक संचालक मछुआ कल्याण तथा कृषि विकास विभाग एवं सहायक संचालक मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग तथा अल्प संख्यक कल्याण विभाग रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे।

नवाचार : आरटीओ ने संचालित शासकीय योजनाओं की जानकारियां साझा की

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में अब हरेक टीएल बैठक में तीन - तीन विभागो के द्वारा विभागीय योजनाओं व कार्यक्रमो के क्रियान्वयन हेतु किए जाने वाले नवाचारो की जानकारियां पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत की जाएगी। इसी कडी के तहत आज जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरजेश वर्मा ने परिवहन विभाग के माध्यम से क्रियान्वित व संचालित शासकीय योजनाओं व कार्यक्रमों की अद्यतन जानकारियां सांझा की गई है।

कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में मौजूद विभिन्न विभागो के अधिकारियों के समक्ष जिला परिवहन अधिकारी के द्वारा विभागीय नवाचारो के संबंध में जो जानकारियां पावर प्रेजेन्टेशन के माध्यम से प्रस्तुत की गई तदानुसार

व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाईस

प्रदेश में यात्रियों विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु यात्री वाहनों तथा शैक्षणिक संस्थानों में पैनिक बटन सहित व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाईस लगवाये जा रहे हैं। यात्रा के दौरान किसी यात्री को किसी प्रकार की असुविधा होने पर उसके द्वारा पैनिक बटन का प्रयोग करने से संदेश क्षेत्रीय परिवहन

कार्यालय, भोपाल में स्थिति राज्य स्तरीय कण्ट्रोल एण्ड कमाण्ड सेंटर को प्रेषित हो जाता है, जहाँ पर वाहन की वास्तविक लोकेशन ट्रैक की जाकर उसे त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है।

हाई सिक्युरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट

01 अप्रैल 2019 के उपरांत पंजीकृत होने वाले नवीन वाहनों में हाई सिक्युरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट नियमानुसार डीलर द्वारा लगाई जा रही हैं तथा प्रदेश में इस दिनांक के पूर्व पंजीकृत वाहनों में भी सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाईल मैन्युफैक्चरर्स के माध्यम से वाहन स्वामी द्वारा लगवाए जाने के प्रावधान अक्टूबर 2023 से किए गए हैं। वाहनों में लगाए जाने से वाहन की नंबर प्लेट में किसी भी प्रकार की कूटरचना कर उसके माध्यम से किसी

अपराध को कारित किये जाने को रोकन तथा वाहन चोरी की दशा में उसे ट्रेस करने में मदद मिलती है।

रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रेपिंग फेसिलिटी

वाहनों को 15 वर्ष की आयु के उपरांत पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रेपिंग फेसिलिटी के माध्यम से स्क्रेप कराया जाना अनिवार्य किया गया है। साथ ही फिटनेस परीक्षण में पूर्णतः विफल रहने वाले निजी वाहनों का भी वाहन

स्वामी इन रजिस्टर्ड वाहन स्कैपिंग सुविधा केन्द्रों के माध्यम से सुव्यवस्थित रूप से स्क्रैप करा सकते हैं। इसके माध्यम से आम जन द्वारा वाहन स्क्रैप कराने को प्रोत्साहित किए जाने हेतु उनके द्वारा नवीन वाहन क्रय करने पर उसके मोटरयान कर में परिवहन यान हेतु 15 प्रतिशत तथा गैर परिवहन यान हेतु 25 प्रतिशत की छूट प्रदान की गई है। प्रदेश में भोपाल जिले में 03 तथा इंदौर एवं ग्वालियर जिले में 01-01 कुल 05 रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फेसिलिटी क्रियाशील हो गये हैं।

प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र

वाहनों से उत्सर्जित होने वाली हानिकारक गैसों से होने वाले प्रदूषण के कारण पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से प्रत्येक वाहन को अनिवार्य प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र जारी करने हेतु प्रदेश में समस्त वाहन प्रदूषण जांच केन्द्रों को एनआईसी पोर्टल के साथ इंटीग्रेट किया जाकर पारदर्शी रूप से वाहनों के उत्सर्जन मानकों की जाँच की जाकर ऑनलाईन प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र जारी कराया जाना दिनांक 01 जुलाई 2024 से प्रारंभ कर दिया गया है। ऑनलाईन जारी होने से उनका डेटा वाहन पोर्टल पर प्रदर्शित होने लगता है, जिससे किसी चैकिंग अधिकारी द्वारा मांगे जाने पर वाहन स्वामी द्वारा ऑनलाईन अथवा इलेक्ट्रॉनिक रूप में दिखाया जा सकता है। जिले में 03 इस प्रकार के वाहन प्रदूषण जांच केन्द्र संचालित हैं।

कोर्ट के निर्णय के बाद भी नहीं छोड़ रहे थे वन भूमि

वन विभाग का अतिक्रमण धारियों पर चला पंजा, 81 हेक्टर भूमि कराई मुक्त

चार जेसीबी, 2 ट्रैक्टर और भारी वन-पुलिस बल की मौजूदगी में कराया मुक्त

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सोमवार को बन विभाग ने चिल चिलाती धूप में अतिक्रमण धारी पर हथौड़ा मारते हुए 6 वर्षो से कोर्ट के निर्णय के बाद भी जमीन को नहीं छोड़ने वालों पर संयुक्त दल बनाकर कार्रवाई करते हुए वन भूमि को इनके चंगुल से खाली करवाया कई रसूखदारों के द्वारा भी कब्जा करके खेती की जा रही थी कुछ लोग वक्फ के नाम पर खेती करवा कर इनसे किराया भी वसूल रहे थे उनके मंसूबों पर भी प्रशासन ने पानी फेर दिया।

उक्त करवाई जिला मंडल अधिकारी हेमंत यादव के निर्देशों में वन विभाग ने संयुक्त दल बनाकर अंजाम दिया जिसमें वन-विभाग, पुलिस, एवं राजस्व विभाग का अमला मौजूद था वहीं वन महकमे ने पहली इतनी बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 300 से वीघा ज्यादा वन भूमि को अतिक्रमण धारियां के कब्जे से मुक्त करवाया इसके वन विभाग ने तीन जेसीबी, दो ट्रैक्टर के साथ पुलिस बल राजस्व विभाग वन विभाग का अमला जिसमें लटेरी और सिरोंज का पूरा अमले के साथ तहसीलदार संजय चौरसिया, वन परीक्षित अधिकारी ब्रज मीणा लगभग 65 से 70 अधिकारी, कर्मचारी के साथ मौके पर पहुंचे सीमांकन के बाद अतिक्रमणकारियों पर एक तरफ से सीमा रेखा खींचकर अपनी करवाई प्रारंभ की पूरे समय मौके पर वन परीक्षित अधिकारी अपने हमले के साथ मौजूद रहे लंबे क्षेत्र में वन भूमि पर अतिक्रमण था इसमें कई नामी लोगों का कब्जा था वही ववफ और कुछ अन्य व्यक्तियों के द्वारा कोर्ट के निर्णय के बाद भी जमीन को खाली करने के लिए तैयार नहीं थी 6 सालों के बाद वन विभाग के अधिकारी कार्रवाई कर कर पाए इसके बाद जमीन इनके चंगुल से मुक्त होने की कर पर पहुंच पाई है । सर्वे क्रमांक 225 कुल रखवा 81 ,40 हेक्टर भूमि चौड़ा खेड़ी ग्राम में।

उक्त भूमि पर लंबे समय से वक्फ तथा अन्य व्यक्तियों ने कब्जा खेती कर रहे थे और जमीन छोड़ने को तैयार नहीं हो रहे थे। ग्वालियर उच्च न्यालय के निर्णय के बाद भी जमीन को खाली करवाने के लिए 6 साल बीत गए कई बार जिन लोगों का कब्जा था उनको नोटिस दिए गए इसके उपरांत भी यहां भूमि को नहीं छोड़ा रहें ।जबकि ग्वालियर उच्च न्यायालय खंड पीठ ने राजपत्र में इस सर्वे नंबर की जमीन को वन विभाग के नाम पर दर्ज करने के साथ अतिक्रमण धारियां से जमीन छोड़ने का आदेश दिया था लगभग 6 साल पहले आदेश हुआ था पालन अब जाकर हो पा रहा है। तत्काल अधिकारियों ने अतिक्रमण हटाने पर पर ध्यान ही नहीं दिया इस वजह से स्तर पर अवैध रूप से अतिक्रमण करके बड़े-बड़े लोगों के द्वारा खेती करने का काम किया जा रहा था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इसके बदले में कई अधिकारी कर्मचारियों की यह सेवा भी कर रहे थे इस वजह से कार्रवाई को टालने का काम होता रहा।कई

नामी लोगों का भी इसमें कब्जा सामने आया है जिसको हटाने के लिए बन प्रशासन के अधिकारियों को काड़ी मेहनत भी करनी कुछ अतिक्रमण करने वाले वन विभाग कि कर्रवाई का विरोध करने भी पहुंचे पर वन परीक्षित अधिकारी ने किसी बातों पर ध्यान नहीं दिया और अपनी कार्रवाई को अंजाम दिया इसके चलते वक्फ के नाम इस जमीन पर खेती करने वाले और किराया वसूल करने वालों की जरूर मुश्किलें बढ़ गई । वन परीक्षित अधिकारी ब्रज दस मीणा ने बताया कि माननीय उच्च न्यायलय ग्वालियर खंडपीठ ने मुक्त सर्वे नंबर की भूमि राजपत्र में वन विभाग के नाम पर अंकित करने के निर्देश दिए थे ।साथ ही अतिक्रमण धारियां उत्त को भूमि छोड़ने का निर्णय दिया था फिर भी यह जमीन नहीं छोड़ रहे थे अब हम ने जिला वन मंडल अधिकारी ,उप वन मंडल अधिकारी के निर्देश पर संयुक्त दल बनाकर करवाई की उक्त कार्रवाई में हमें एसडीएम ,एसडीओपी तहसीलदार का भी पूरा सहयोग मिला सीमा निर्धन के लिए माइनर भी बनाए जाएंगे।

जनचेतना शिविर में ग्रामीणों को बाढ़ आपदा से बचाव के उपायो की जानकारी से अवगत कराया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता के द्वारा बाढ़ आपदा पूर्व तैयारी को लेकर समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेट होमगार्ड द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ आपदा से बचाव के लिए जन चेतना शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

होमगार्ड पीसी रश्मि दुबे ने बताया कि जिले के ऐसे ग्राम जो नदियों के किनारे अथवा समीप या फिर जल भराव से प्रभावित होते है उन ग्रामो के रहवासियों को विभाग के माध्यम से बाढ आपदा से बचाव के उपायो से अवगत कराते हुए जनचेतना के संदेशो का सम्प्रेषण किया जा रहा है। मंगलवार दस जून को दो ग्राम पंचायतो में प्रशिक्षण आयोजित किया गया है जिसमें ग्र्राम पंचायत अमऊखेडी में पूर्वान्ह 11 बजे से आयोजित किया गया है उक्त प्रशिक्षण में अमऊखेडी, दीताखेडी, छापखेडा, दुलही के प्रशिक्षणार्थी सम्मिलित होंगे। जबकि ग्राम पंचायत खेरूआ में दोपहर तीन बजे से जनचेतना शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें खेरूआ एवं इकोदिया ग्राम के प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

बाढ़ आपदा से बचाव के लिए जन चेतना शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में एसडीईआरएफ टीम के द्वारा बाढ़ से पूर्व तैयारी, आगजनी की घटनाओं में बचाव, घरेलू उपकरणों से बचाव, राफ्ट बनाना ,कंबल-चादर से स्ट्रेचर बनाना, पीड़ितों को सीपीआर देना, घायलों को प्राथमिक उपचार देना एवं ड्राई रेस्क्यू के बारे में ग्रामीणजनों को जानकारी प्रदान की गई।

मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य का दौरा कार्यक्रम

सिरोंज। विदिशा मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य अनुराग पाण्डेय मंगलवार को विदिशा के प्रवास पर रहेंगे। विदिशा एसडीएम क्षितिज शर्मा ने दौरा कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि सदस्य श्री पांडेय 10 जून की प्रातः दस बजे भोपाल से प्रस्थान कर दोपहर 12 विदिशा सर्किट हाउस में आगमन तत्पश्चात विदिशा जिले के जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई, श्रम विभाग, जिला बाल कल्याण समिति एवं जे.जे.वी. के नवनियुक्त अध्यक्षा, सदस्य के साथ बैठक, और विदिशा में रात्रि विश्राम करेंगे।

ब्लॉक स्तरीय योग प्रशिक्षण का आयोजन संपन्न

तेंदूखेड़ा में विकासखंड योग प्रभारी महेंद्र सिंह मरकाम ने ली बैठक ली

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

सोमवार को विकासखंड योग प्रभारी श्री महेंद्र सिंह मरकाम शिक्षक न बताया है कि शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेंदूखेड़ा में ब्लॉक स्तरीय योग प्रशिक्षण का आयोजन विकासखंड शिक्षा अधिकारी नितेश पांडे के निर्देशन में किया गया है जिसमें 11वी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संबंध में चर्चा की गई, जिसमें हमारे विकासखंड योग प्रभारी महेंद्र सिंह मरकाम सर ने योग प्रशिक्षण में योग करने के अनेकों शारीरिक लाभ विस्तार से लाभ बताए एवं योग मास्टर ट्रेनर प्रदीप साहू सर एवं सीताराम जी परस्ते सर द्वारा योग करने हेतु विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ जिसमें तेंदूखेड़ा विकासखंड की समस्त शालाओं के सभी योग प्रभारी शिक्षक उपस्थित हुए।

छात्रावासों में प्रवेश हेतु आवेदन एमपी टास्क के माध्यम से आन लाइन आमंत्रित

सिरोंज। विदिशा शैक्षणिक सत्र 2025-20 में जिले में संचालित अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति छात्रावासों में प्रदेश का संचालन एमपीटास्क के द्वारा किया जावेगा। जिला संयोजक ने बताया कि जिले में अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग द्वारा जिले के छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया चालू हो गई है। सभी छात्रावास में प्रवेश प्रक्रिया एमपीटास मोबाईल टेबलेट से प्रवेश ओनलाईन किया जा रहा है। छात्रावास में प्रवेश हेतु प्रोफाइल पंजीयन अनिवार्य है। प्रवेश हेतु इच्छुक छात्र, छात्रा अपने सम्बधित विकास खण्ड छात्रावासों के अधीक्षक से संपर्क कर प्रवेश फार्म प्राप्त कर प्रवेश हेतु सीनियर, जूनियर, महाविधालयीन , आश्रम में छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावास में प्रवेश प्रारंभ किये जा चुके है। इच्छुक छात्र, छात्राएँ निम्नलिखित मय-दस्तावेजों के साथ - प्रोफाइल पंजीयन, स्थाई जाति प्रमाण पत्र, उत्तीर्ण कक्षा की अंकसूची, बैंक खाता, आय प्रमाण पत्र, मूल निवासी, आधार कार्ड, समग्र आईडी, छात्र की दो फोटो एवं पालक के दो फोटो प्रवेश फर्म के साथ संलग्न करें।

एसडीआरएफ टीम की फुल ड्रेस रिहर्सल संपन्न

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा से बचाव के लिए किए जाने वाले संसाधनो की रिहर्सल रविवार आठ जून को बेतवा नदी के बंगला घाट पर होमगार्ड एवं एसडीआरएफ टीम के द्वारा फुल ड्रेस में रिहर्सल की गई है। अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चैबे ने आज संयुक्त रूप से होमगार्ड विभाग के माध्यम से बाढ के दौरान बचाव के किए जाने वाले उपायो और उपयोग में लाए जाने वाले संसाधनो का प्रयोगिक प्रदर्शन का जायजा लिया।

एसडीआरएफ की टीम ने बेतवा नदी के बंगला घाट पर आयोजित संयुक्त प्रायोगिक प्रदर्शन में होमगार्ड विभाग को प्राप्त हुए बाढ बचाव संसाधनो का प्रदर्शन किया जिसमें गोताखोरो के द्वारा डूबने वालो का तत्काल बचाव तथा डूबे व्यक्तियों को खोजने सहित अन्य प्रक्रियाओं को प्रेक्टिकल के रूप में क्रियान्वित किया गया है।

अपर कलेक्टर श्री डामोर ने मीडिया से संवाद के दौरान बतलाया कि जिले के बाढ प्रभावित क्षेत्रो की सूची तैयार की जा चुकी है इन क्षेत्रो के रहवासियों को भी आपदा से बचाव के उपायो से प्रशिक्षित किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा बाढ के समय की आपदा के दौरान किए जाने वाले प्रबंधो का पूर्व रिहर्सल किया गया है। कंट्रोल रूम स्थापित किए जाते है। बाढ बचाव संबंधी सभी तैयारियां की जा चुकी है आज बंगला घाट पर एसडीआरएफ की टीम के द्वारा व बचाव उपकरणो का प्रयोगिक उपयोग किया गया है ताकि बाढ आपदा के दौरान उस समय किसी भी प्रकार की चूक ना हो पाए का हम सबका यही प्रयास होगा ताकि आपदा के दौरान किसी भी प्रकार की हानि ना होने पाए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चैबे ने बताया कि सुरक्षा को ध्यानगत रखते हुए बरती जाने वाली सावधानियां खासकर बाढ आपदा के दौरान बचाव दलो के द्वारा उपयोग किए जाने वाले संसाधनो का रिहर्सल किया गया है ताकि आपदा के पूर्व उपयोग में लाए जाने वाले संसाधन क्रियाशील है कि नहीं।

मेट्रो एंकर नरवाई प्रबंधन जागरूकता अभियान

नरवाई जलाएं नहीं, बल्कि उसका बेहतर प्रबंधन कर, उपयोग करें: कलेक्टर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले में नरवाई नहीं जलाने के लिए विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रमों आयोजन त्रिस्तरीय पंचायत स्तरों के अलावा शहरी क्षेत्रों में एक साथ आयोजित किए गए।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता द्वारा दंडात्मक कार्यवाही के आदेश जारी किए गए तथा आदेश की अवहेलना करने वालों के खिलाफ आर्थिक व दंडात्मक कार्यवाही की गई है। कृषि विभाग के साथ साथ अन्य लाइन डिपार्टमेंट के संयुक्त तत्वावधान में जन-जागरूकता के सापेक्ष परिणाम परलिक्षित होने लगें हैं। इन विभागों के द्वारा किसानों और गणमान्य नागरिकों तक संदेश संप्रेषण किए जा रहे हैं।

नरवाई क्या है और इसके जलाने से क्या नुकसान है?

गेहूं की फसल काटने के पश्चात जो तने के अवशेष बचे रहते हैं उन्हें नरवाई कहा जाता है। कृषि मजदूरों की संख्या कम होने से तथा यंत्रीकरण का बढ़ावा होने से आजकल गेहूं की कटाई कंबाइन हार्वेस्टर से की जाती है, जिससे गेहूं के डंठल (नरवाई) शेष रहे जाते हैं और कृषि में पालतू जानवरों का महत्व कम होने से शेष डंठलों से भूसा भी नहीं बनाया जाता है। अतः खेत की सफाई करने की दृष्टि से कम लागत में खेत खाली करने हेतु नरवाई में आग लगायी जाती है। कृषकों का ऐसा मानना है कि आग लगाने से मृदा जनित रोगों का प्रभाव भी कम होता है तथा खेत के खरपतवार भी नष्ट हो जाते हैं।

नरवाई जलाने से जनधन, फसल, जंगल, जीव-जन्तु नष्ट होने का खतरा बना रहता है। साथ ही वायु प्रदूषण एवं ग्लोबल वार्मिंग का कारण बनता है। कीमती भूसे की हानि होती है, भूमि के भौतिक गुण (मृदा जलधारण क्षमता, मृदा वातन) पर

विपरीत प्रभाव पड़ता है एवं भूमि कठोर हो जाती है।भूमि उपजाऊ शक्ति बढ़ाने वाले मित्र कीट, केंचुआ, सांप, सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं। फसल अवशेषों को जलाने के कारण मृदा में कार्बन की मात्रा कम हो जाती है, उपजाऊपन के लिए कार्बन की अधिक मात्रा आवश्यक होती है।मृदा में उपस्थित पोषक तत्व, नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश आदि की मात्रा में कमी हो जाती है।

शॉर्ट सर्किट या अन्य कारणों से नरवाई जलने से बचाने के उपाय अपनाये जिन किसान भाईयों के खेतों में बिजली के ट्रांसफार्मर हैं, खेत की कटाई से पहले ही ट्रांसफार्मर के चारों तरफ सूखी फसल को काटकर ट्रांसफार्मर के आस पास सफाई कर लें ताकि आग फैलने का खतरा कम हो । ट्रैक्टर एवं प्लाऊ को जोड़कर तैयार रखें ताकि आग लगने की स्थिति में फसल के हिस्से को तुरंत रौंदकर आग फैलने से रोका जा सके। कटाई के दौरान धूम्रपान न करें, और ना ही कोई ज्वलनशील पदार्थ ले जायें। यदि कहीं कोई आग लगती है तो फायर ब्रिगेड और संबंधित अधिकारियों को सूचित करें।

नरवाई प्रबंधन तकनीक

कंबाइन हार्वेस्टर के साथ एसएमएस (स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम) अर्थात् हार्वेस्टर के साथ भूसा मशीन (स्ट्रॉ रीपर) एवं रोटावेटर का प्रयोग करें। हार्वेस्टर से फसल कटने के बाद बचे डंठलों की कटाई स्ट्रॉरीपर से करके पालतू जानवरों हेतु भूसा बनायें तथा भूसा बनने के बाद बचे हुए अवशेषों को रोटावेटर चलाकर भूमि में मिलायें। मिट्टी पलटने वाले यंत्र का उपयोग कर गहरी जुताई करें जिससे फसल अवशेष (नरवाई) मिट्टी में दब जाए एवं आगामी समय में कार्बनिक शक्ति बढ़ाने में मददगार साबित हो।

जैसे रोटरी मल्चर मशीन फसल अवशेषों को बारीक काटकर खेत में जैविक खाद के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

पांच मैचों की टेस्ट सीरीज: टीम इंडिया का इंग्लैंड दौरा 20 जून

मिडिल ऑर्डर में जगह पाने नायर-अभिमन्यु, साई के बीच होगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

20 जून से टीम इंडिया का इंग्लैंड दौरा शुरू होने जा रहा है। पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले टीम इंडिया के मिडिल ऑर्डर में जगह पाने के लिए करुण नायर, अभिमन्यु ईश्वरन और साई सुदर्शन के बीच मुकाबला दिलचस्प हो गया है। आईपीएल और इंडिया ए के हालिया प्रदर्शन ने टीम प्रबंधन को चयन को लेकर सोचने पर मजबूर कर दिया है।

करुण नायर ने इंडिया ए के अभ्यास मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए दोहरा शतक जड़ा। इससे पहले आईपीएल 2025 और घरेलू क्रिकेट में भी करुण ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था। अनुभवी बल्लेबाज ने आईपीएल 2025 में 89 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली थी, जिससे उनके आत्मविश्वास में इजाफा हुआ है। कोच गौतम गंभीर ने भी करुण के अनुभव और इंग्लिश परिस्थितियों में उनके तकनीकी कौशल की तारीफ की है। लंबे समय बाद नायर की टीम में वापसी हुई है, वो इस मौके को भुनाना चाहेंगे।

अभिमन्यु ईश्वरन का संघर्ष जारी

वहीं, अभिमन्यु ईश्वरन का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया। इंडिया ए के अभ्यास मैच में उनका बल्ला कुछ खास कमाल नहीं कर सका। विशेषज्ञों का मानना है कि इंग्लैंड की परिस्थितियों में उनकी तकनीक बार-बार सवालों के घेरे में आई है, जिससे उनका टेस्ट प्लेइंग इलेवन में जगह बनाना मुश्किल नजर आ रहा है। हालांकि, घरेलू मैचों में ईश्वरन ने कई अच्छी पारियां खेली हैं।

साई सुदर्शन की तकनीक को मिला सराहना

युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन ने अपने शॉट सिलेक्शन और तकनीक से इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ियों को भी प्रभावित किया है। उन्हें स्पेशल टैलेंट बताते हुए उनकी इंग्लैंड की कंडीशन्स में खेलने की काबिलियत की तारीफ हुई। हालांकि, साई को हाल ही में टेस्ट क्रिकेट का अनुभव नहीं है, लेकिन उनका संयम और तकनीक चयनकर्ताओं को आकर्षित कर रहा है। आईपीएल में साई ने कई यादगार पारियां खेली हैं। उनकी टेक्निक कमाल की दिखी। काउंटी में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। ऐसे में वो भी एक विकल्प हो सकते हैं। टीम मैनेजमेंट के लिए मिडिल ऑर्डर में सही खिलाड़ी चुनना चुनौतीपूर्ण हो गया है। करुण नायर का अनुभव और ताबड़तोड़ अंदाज इंग्लैंड की पिचों पर टीम को फायदा दे सकता है। वहीं, साई सुदर्शन युवा जोश और तकनीक का विकल्प देते हैं। दूसरी तरफ, ईश्वरन को अपनी जगह बनाने के लिए अभ्यास मैचों में दमदार प्रदर्शन करना होगा।

भारत vs इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का फुल शेड्यूल

पहला टेस्ट: 20-24 जून, 2025- हेडिंग्ले, लीड्स
दूसरा टेस्ट: 2-6 जुलाई, 2025- एजबेस्टन, बर्मिंघम
तीसरा टेस्ट: 10-14 जुलाई, 2025- लॉर्ड्स, लंदन
चौथा टेस्ट: 23-27 जुलाई, 2025- ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर
पांचवां टेस्ट: 31 जुलाई-4 अगस्त, 2025- द ओवल, लंदन

इंग्लैंड दौरे के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (उप-कप्तान/विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), अभिमन्यु ईश्वरन, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, करुण नायर, वॉशिंगटन सुंदर, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

हेडिंग्ले टेस्ट में भारतीय टीम की संभावित प्लेइंग 11

केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन/अभिमन्यु ईश्वरन/करुण नायर, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान/विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा

रोटैक्स यूरो ट्रॉफी में शीर्ष 10 में स्थान हासिल करने वाली पहली भारतीय बनीं 10 साल की अतीका

ट्रिनेच (चेक गणराज्य)। भारत की 10 वर्षीय रेसर अतीका मीर ने रोटैक्स यूरो ट्रॉफी में शीर्ष-10 में जगह बनाकर एक और उपलब्धि अपने नाम की। रोटैक्स यूरो ट्रॉफी एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कार्टिंग सीरीज है। अक्सेल जीपी समर्थित अतीका ने सप्ताहांत में स्टील रिंग सर्किट में आयोजित रोटैक्स यूरो ट्रॉफी के दूसरे चरण में नौवां स्थान हासिल किया। फॉमूर्ला वन से वित्तीय और तकनीकी सहायता पाने वाली पहली भारतीय अतीका क्वालीफाइंग में शानदार प्रदर्शन कर अपने ग्रुप में सातवें स्थान पर रहीं। उन्हें हालांकि दो बंपर पेनाल्टी मिली लेकिन वह इसके बावजूद वह तीन हिट्स के बाद 10वें स्थान पर रहीं।

भारत के पहले फॉमूर्ला वन ड्राइवर नारायण कार्तिकेय से प्रशिक्षण लेने वाली अतीका ने रविवार को फाइनल से पहले बारिश के कारण मुश्किल परिस्थितियों में अपनी असाधारण प्रतिभा का परिचय दिया। फाइनल में 10वें स्थान से शुरूआत करने वाली अतीका एक समय 14वें स्थान पर फिसल गयी थी लेकिन उन्होंने अच्छी वापसी करते हुए रेस को नौवें पायदान के साथ खत्म किया। अतीका ने कहा, मेरे लिए वह एक अद्भुत सप्ताहांत था। मैंने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्राइवरों के साथ ड्राइविंग करके बहुत कुछ सीखा।

पेनल्टी शूटआउट में स्पेन को 5-3 से हराया, फाइनल के दौरान एक फैन की मौत

पुर्तगाल बना नेशंस लीग चैंपियन

म्यूनिख, एजेंसी

पुर्तगाल ने नेशंस लीग के फाइनल में स्पेन को पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हराकर अपना दूसरा खिताब जीत लिया। म्यूनिख में खेला गया खिताबी मुकाबला फुलटाइम तक 2-2 की बराबरी पर छूटा। इसके बाद इसका रिजल्ट पेनल्टी शूटआउट में आया। इसमें क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने महत्वपूर्ण बराबरी का गोल किया, लेकिन बाद में चोटिल होकर वे मैदान से बाहर चले गए। पहले हाफ में स्पेन ने 2-1 की बढ़त बनाई मैच की शुरूआत दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। स्पेन ने 21वें मिनट में मार्टिन जुबिमेंडी के गोल से बढ़त बनाई। पुर्तगाल ने पांच मिनट बाद नूनो मेंडेस के पहले इंटरनेशनल गोल से स्कोर बराबर कर लिया। हाफ टाइम से पहले 45वें मिनट में मिकेल ओयार्जाबल ने पेड्री के पास को गोल में बदलकर स्पेन को 2-1 की बढ़त दिला दी।

रोनाल्डो ने करियर का 938वां गोल किया

दूसरे हाफ में रोनाल्डो ने पुर्तगाल को बराबरी पर ला दिया दूसरे हाफ में रोनाल्डो ने मैच के 61वें मिनट में मेंडेस के क्रॉस पर वॉली से गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर किया, जो उनका करियर का 938वां गोल था। वहीं, एक्स्ट्रा टाइम में कोई गोल नहीं हुआ। पेनाल्टी शूटआउट में पुर्तगाल ने सभी मौकों को गोल में तब्दील किया पेनल्टी शूटआउट में निर्णायक मोड़ पुर्तगाल के गोलकीपर डिआगो कोस्टा के अल्वारो मोराटा की पेनल्टी बचाने पर आया। रूबेन नेवेस ने अंतिम पेनल्टी गोल कर पुर्तगाल को ऐतिहासिक जीत दिलाई, जिसके साथ वह नेशंस लीग का दो बार खिताब जीतने वाला पहला देश बन गया। पेनाल्टी शूटआउट में गोंसालो रामोस ने पुर्तगाल की ओर से पहला गोल किया गया, वहीं इसके बाद स्पेन के मेरिनो ने गोल किया। विटिना ने पुर्तगाल की ओर से दूसरे पेनल्टी में गोल किया। स्पेन के एलेक्स बेना ने भी गोल किया। वहीं, ब्रूनो फर्नांडीस ने तीसरे शूटआउट को भी गोल में तब्दील कर दिया। स्पेन के इस्को ने भी गोल कर खिताब पर स्पेन की दावेदारी बनाए रखा। वहीं, पुर्तगाल की ओर से चौथे शूटआउट को नूनो मेंडेस ने गोल में तब्दील किया, लेकिन, स्पेन के अल्वारो मोराटा गोल में तब्दील नहीं कर पाए। जबकि पुर्तगाल की ओर से रूबेन नेवेस ने आखिरी शूटआउट में भी गोल कर टीम को 5-3 से जीत दिला दी।

कोलकाता-दिल्ली में विंडीज और द. अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैचों की अदला-बदली

मुंबई, एजेंसी

बीसीसीआई ने 2025 के इंटरनेशनल होम सीजन और साउथ अफ्रीका ए के भारत दौरे के लिए वेन्यू में बदलाव किए हैं। टीम इंडिया अक्टूबर से दिसंबर के बीच वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका से सीरीज खेलेगी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 2 टेस्ट की सीरीज अक्टूबर में होगी। जबकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया 2 टेस्ट, 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज नवंबर-दिसंबर में खेलेगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगी। दूसरा टेस्ट जो पहले कोलकाता में होना था, अब नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा।

इस बीच, 14 नवंबर से शुरू होने वाले साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट नई दिल्ली से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शिफ्ट कर दिया गया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद और दिल्ली में 2 टेस्ट टीम इंडिया का होम सीजन वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज से शुरू होगा। 2 अक्टूबर से दोनों टीमों के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पहला टेस्ट खेला जाएगा। 10 अक्टूबर से दूसरा टेस्ट कोलकाता में खेला जाना था, लेकिन अब ये दिल्ली में खेला जाएगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा हैं। इसके बाद टीम इंडिया 19 से 25 अक्टूबर तक ऑस्ट्रेलिया में 3 वनडे की सीरीज खेलेगी।

30 नवंबर से होगी 3 वनडे मैचों की सीरीज

30 नवंबर से 6 दिसंबर तक दोनों टीमों के बीच 3 वनडे होंगे। इनकी मेजबानी रांची, रायपुर और वाइजैग को मिली है। 9 से 19 दिसंबर तक दोनों टीमें 5 टी-20 खेलेंगी। इनकी मेजबानी कटक, मुल्लांपुर, धर्मशाला, लखनऊ और अहमदाबाद को मिली है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दिसंबर 2023 में आखिरी टेस्ट सीरीज हुई थी। यह 1-1 से ड्रॉ रही थी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दिसंबर 2023 में आखिरी टेस्ट सीरीज हुई थी। यह 1-1 से ड्रॉ रही थी। इंडिया ए के मैच अब राजकोट में खेले जाएंगे इंडिया ए और साउथ अफ्रीका ए के बीच 30 अक्टूबर से दो मल्टी-डे और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। मल्टी-डे मैच बेंगलुरु के इउअक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (उडए) में होंगे। तीन वनडे जो पहले बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जाने थे अब राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में शिफ्ट कर दिए गए है।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

कैंसर सर्जरी के बाद दीपिका कक्कड़ का पहला वीडियो, इमोशनल होकर दर्द किया बयां

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री और ससुराल सिमर का फेम दीपिका कक्कड़ ने हाल ही में अपने स्टेज 2 लीवर कैंसर की सर्जरी करवाई है। सर्जरी के बाद पहली बार वो अपने पति शोएब इब्राहिम के व्लॉग में नजर आईं और इस मुश्किल घड़ी में मिले प्यार और दुआओं के लिए सबका शुक्रिया अदा किया। शोएब इब्राहिम ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें दीपिका सर्जरी के बाद पहली बार कैमरे के सामने आईं। वीडियो में वह काफी भावुक नजर आईं और अपने स्वास्थ्य को लेकर अपडेट देती दिखीं। उन्होंने कहा कि अब वो पहले से काफी बेहतर महसूस कर रही हैं और ठीक होने की दिशा में धीरे-धीरे आगे बढ़ रही हैं।

दीपिका ने कहा कि अस्पताल में नर्सों से लेकर दूसरे मरीजों के परिजन तक सबने उन्हें ढेर सारी दुआएं दीं। उन्होंने बताया कि जब उन्हें खांसी आती थी, तब टांकों में बहुत दर्द होता था और वह कुछ भी बोल नहीं पाती थीं। लेकिन अब वो रिकवर कर रही हैं। वीडियो के दौरान उन्होंने अपने बेटे रुहान को याद करते हुए कहा कि उसकी मुस्कान और उपस्थिति उन्हें ताकत देती है। शोएब ने वीडियो में बताया कि दीपिका की सर्जरी 14 घंटे तक चली, जिसमें डॉक्टरों ने उनका गॉलब्लैडर और लीवर का एक हिस्सा निकाल दिया। गॉलब्लैडर में पथरी होने के कारण उसे हटाना पड़ा और लीवर में मौजूद ट्यूमर को भी हटा दिया गया। हालांकि डॉक्टरों के मुताबिक चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि लीवर एक ऐसा अंग है जो खुद को रीजेनरेट कर सकता है।

अनुराग कश्यप ने उड़ाया सास बहू सीरियल का मजाक

गुस्साईं एकता कपूर, बोलीं- कितने मूर्ख हो

फिल्ममेकर अनुराग कश्यप अक्सर अपने बेबाक अंदाज के कारण सुर्खियों में रहते हैं। पिछले कुछ समय में वो कई बार कॉन्ट्रोवर्सी में फंस चुके हैं। हाल ही में नेटफ्लिक्स सीईओ टेड सरांडोस ने अनुराग की वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स पर कमेंट किया था। जिसके बाद फिल्ममेकर भी उन्हें जवाब देने से पीछे नहीं हट पाए। उन्होंने एक ऐसा कमेंट कर डाला जिसे देखकर अब प्रोड्यूसर एकता कपूर नाराज हो गई हैं। अनुराग कश्यप ने पिछले दिनों नेटफ्लिक्स सीईओ की बातों पर कहा था कि उन्हें इंडिया में सेक्रेड गेम्स से नहीं, सास बहू सीरियल्स से नेटफ्लिक्स को शुरुआत करनी चाहिए थी। उनके इस कमेंट को सास बहू सीरियल्स पर एक जोक की तरह देखा गया। जिसपर अब एकता ने भी रिएक्ट किया है। उन्होंने फिल्ममेकर की बातों पर बिना नाम लिए इंस्टाग्राम पर लिखा, तुम कितने मूर्ख हो। ऐसा कहने से तुम्हें फायदा होगा कि मैं ज्यादा होशियार हूं लेकिन नहीं। डार्लिंग कैसा रहेगा दयालु रहना? या खुद से जानना-समझना? एक कला जो हर आर्टिस्ट के पास नहीं होती।

सास बहू और इंडिया की जनता पर इसका असर (कैसे औरतों को इंडिया में आवाज मिली) उसे शिकागो की खास रीसर्च टीम ने अच्छे से डॉक्यूमेंट किया है। लेकिन कुछ आर्टिस्ट जो सभी को एक ही दुनिया में साथ लेकर चलने की बात करते हैं, असल में वो ही सबसे ज्यादा क्लास में भेदभाव करते हैं।

क्या था पूरा विवाद जिसके बाद नाराज हुईं एकता?

दरअसल, नेटफ्लिक्स के सीईओ टेड सरांडोस ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि इंडिया में नेटफ्लिक्स की शुरुआत के लिए उन्होंने सेक्रेड गेम्स सीरीज का चयन गलत किया। उनका मानना था कि उन्हें एक ऐसे शो से शुरुआत करनी चाहिए थी, जिसे इंडिया की ऑडियंस आराम से देख सकती। वो सेक्रेड गेम्स को कुछ सालों के बाद एक ऑडियंस बेस तैयार होने के बाद रिलीज करते। उनके इसी कमेंट पर अनुराग कश्यप ने अपने इंस्टाग्राम पर पिछले दिन लिखा, उन्हें सास बहू सीरियल से शुरुआत करनी चाहिए थी। वो अच्छा परफॉर्म करती, जो अब ये लोग कर भी रहे हैं। मुझे हमेशा से ये पता था कि जो इंसान टेक्नोलॉजी समझता है, वो स्टोरीटेलिंग के मामले में मूर्ख होता है।

मेट्रो बाजार

एसबीआई ने सरकार को दिया 8,076.84 करोड़ का डिविडेंड

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सोमवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सरकार को 8,076.84 करोड़ रुपए का लाभांश दिया। एसबीआई के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लाभांश का चेक दिया। इस मौके पर वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू और वित्त सचिव अजय सेठ भी थे।

वित्त मंत्री के कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट किया, %%निर्मला सीतारमण को भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन सी एस शेट्टी से वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 8076.84 करोड़ रुपए का लाभांश चेक मिला।एसबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 15.90 रुपए प्रति शेयर का लाभांश घोषित किया था। बैंक ने पिछले साल सरकार को 6,959.29 करोड़ रुपए का लाभांश दिया था। एसबीआई ने 2024-25 के दौरान 70,901 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड शुद्ध लाभ कमाया, जबकि इससे पिछले साल यह आंकड़ा 61,077 करोड़ रुपए था।

चीन का निर्यात मई में 4.8% की धीमी रफ्तार से बढ़ा, अमेरिका में गिरावट

बीजिंग। चीन के निर्यात में मई माह में एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 4.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो उम्मीद से काफी कम है। इसकी वजह यह है कि इस अवधि में अमेरिका को चीन के निर्यात में करीब 10 प्रतिशत की गिरावट आई है। सीमा शुल्क विभाग के सोमवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। समीक्षाधीन अवधि में चीन का आयात भी 3.4 प्रतिशत घटा है। इस तरह व्यापार अधिशेष 103.2 अरब डॉलर रहा है। सीमा शुल्क विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने मई में अमेरिका को 28.8 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया, जबकि अमेरिका से उसका आयात 7.4 प्रतिशत घटकर 10.8 अरब डॉलर रह गया। अप्रैल में चीन का वैश्विक निर्यात 8.1 प्रतिशत बढ़ा था। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुल्क में भारी बढ़ोतरी को टालने के लिए एक समझौता किया है।

इसके बावजूद चीन का निर्यात प्रभावित हुआ है। अमेरिका और चीन के बीच अगले दौर की बातचीत सोमवार को बाद में लंदन में होनी है। पिछले सप्ताह ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच फोन पर बातचीत हुई थी। मई की शुरूआत में दोनों देश एक-दूसरे पर लगाए गए शुल्क को 90 दिन स्थगित करने पर सहमत हुए थे।

गैस भभकने से युवक की मौत, पत्नी और ढाई महीने की बच्ची झुलसी

अरेरा हिल्स स्थित पुरानी विधानसभा के सामने झुग्गी में हुआ हादसा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित पुरानी विधानसभा के सामने रविवार शाम गैस भभकने से एक युवक की मौत हो गई। इस हादसे में उसकी पत्नी और ढाई महीने की बच्ची भी झुलसे थे। पत्नी की हालत में सुधार होने के बाद उसे छुट्टी दे दी गई है, जबकि बच्ची का हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार पुरानी विधानसभा के सामने झुग्गी निवासी शिशुपाल रैकवार पिता राजू रैकवार (36) एमपी

टूरिज्म में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी थे। वे यहां अपनी पत्नी शिवांगी रैकवार और ढाई महीने की बच्ची वेदेही के साथ रह रहे थे। रविवार शाम वे झुग्गी में थे, वहीं कमरे में उनकी पत्नी शिवांगी और वेदेही बैठे हुए थे। शिशुपाल ने चाय बनाने के लिए गैस खोली और माचिस की तीली रगड़ी थी। साइड वाली गैस पहले से खुले होने के कारण आग भभक गई। रिसी हुई गैस में आग भभकने के कारण पास खड़े शिशुपाल गंभीर रूप से झुलसे थे, जबकि कुछ दूरी पर बैठी उनकी पत्नी और गोद में बैठी वेदेही झुलस गए। चीखपुकार सुनकर आसपास पहुंचे लोगों ने किसी तरह आग बुझाई और घायल परिवार को हमीदिया अस्पताल पहुंचाया था। वहां इलाज के दौरान सोमवार सुबह शिशुपाल की मौत हो गई। शिवांगी के स्वास्थ्य में सुधार होने के कारण उसे इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। मासूम वेदेही का इलाज चल रहा है।

आत्महत्या की आशंका

पुलिस की जांच में पता चला कि शिशुपाल ने ढाई साल पहले शिवांगी से लव मैरिज की थी। इसके बाद से ही परिवार से विवाद चल रहा था। विवाद के चलते वह पत्नी और बच्ची के साथ यहां अलग रह रहा था। पत्नी और ननद का विवाद होने के कारण शिशुपाल ने आत्महत्या की है। पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

बजरिया की घटना : ट्रेन में सामान बेचने की बात को लेकर झगड़ा, बीना से आए थे हमलावर

रेलवे अस्पताल के पास वेंडरों का विवाद, एक को गोली मारी, दूसरे पर चाकू से किया हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित रेलवे अस्पताल के पास सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात ट्रेन में सामान बेचने वाले वेंडरों ने जमकर गदर मचाई। इलाके में सामान बेचने की बात पर बीना से आए बदमाशों ने दो वेंडरों को सरेराह पीट दिया। इतना ही नहीं एक पर चाकू से हमला किया गया तो दूसरे पर कट्टे से फायर कर दिया। फायर होने से गोली वेंडर को जांघ में लगी है। हैरानी की बात तो यह है कि करीब तीस मिनट तक चले इस विवाद में पुलिस का अता पता नहीं था। फायरिंग होने की सूचना पर करीब तीस मिनट की देरी से पहुंची पुलिस ने देर रात प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार 21 साल मनीष बुंदेला रेलवे कॉलोनी स्टेशन बजरिया में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि सलमान खान पिता ताहिर खान (28) कल्याण नगर छोला में रहता है वेंडर का काम करता है। उसके साथ राहुल गुजराती

(28) भी वेंडर का काम करता है। सलमान और राहुल ट्रेन में सामान बेचते हुए बीना के आगे तक जाते हैं। बस इसी बात को लेकर सलमान और राहुल गुजराती का आरोपी राहुल सोने से विवाद होता रहता है। गत दिनों सलमान और राहुल गुजराती को राहुल सोनी से विवाद हुआ था। रंजिश होने के कारण राहुल सोनी ने सलमान और राहुल गुजराती को सोमवार रात करीब 11 बजे रेलवे अस्पताल के पास घेर लिया। राहुल सोनी अपने दोस्तों के साथ बीना से आया था और घेरने के बाद उसने सलमान और राहुल गुजराती से मारपीट कर दी। विवाद बढ़ने पर आरोपी और उसके साथियों ने सलमान पर फायर करते हुए राहुल पर चाकू से हमला कर दिया। फायर होने से सलमान को जांघ में गोली लगी है, जबकि राहुल को पीठ पर और हाथ में चाकू लगा है।

सड़क पर चलता रहा हंगामा नहीं पहुंची पुलिस

स्थानीय लोगों का कहना है कि रात 11 बजे से वेंडरों के बीच मारपीट और गालीगलौज चलती रही। दोनों पक्षों की तरफ से मारपीट हो रही थी। घटना की सूचना पुलिस को दी गई थी, लेकिन थाने से महज डेढ़ किलोमीटर दूरी पर हो रहे विवाद के बाद भी नहीं पहुंच सकी।

शराब की बात को लेकर मारपीट, चाकू से हमला

इधर कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित पेट्रोल पंप के पास बीती रात एक बदमाश ने युवक पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू उसे सिर के पास लगा है। हमले की वजह पुरानी रंजिश बताईड़जा रही है। पुलिस ने बताया कि 42 साल का बहादुर सिंह, इलाके में फुटपाथ पर रहता है और पन्नी बीनने का काम करता है। उसकी दोस्ती इलाके में रहने वाले हरीश यादव से है। दोनों साथ बैठकर शराब पीते हैं। शराब पीने, पिलाने की बात को लेकर दोनों बीती रात करीब साढ़े 12 बजे विवाद हो गया। विवाद बड़ने पर आरोपी हरीश यादव ने बहादुर सिंह से मारपीट करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू बहादुर को सिर में आंख के पास लगा है। पुलिस ने बहादुर की शिकायत पर आरोपी हरीश यादव के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

फैशन शो में पत्नीको विजेता नहीं बनाया तो महिला आयोजक से अभद्रता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा थाना क्षेत्र में आयोजित एक फैशन शो में पत्नी को विजेता नहीं बनाए जाने से नाराज व्यापारी ने आयोजक महिला से अभद्रता कर दी। पीड़िता आयोजक की शिकायत पर पुलिस शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आयोजकों ने पुलिस को बताया है कि आरोपी व्यापारी ने शो को बदनाम करने के लिए झूठी बातें भी फैलाईं, जिससे कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा। पुलिस के अनुसार कुछ समय पहले उन्होंने भोपाल में मॉडलिंग प्रतियोगिता आयोजित की थी। इस प्रतियोगिता में शहर के व्यापारी आलोक गर्ग की पत्नी भी प्रतिभागी थीं। आलोक ने आयोजिका पर दबाव बनाया कि उसकी पत्नी को विजेता घोषित कर दिया जाए। लेकिन जब आयोजिका ने इसके लिए मना कर दिया, तो आरोपी अपना आपा खो बैठा। एक रिजॉर्ट में कार्यक्रम आयोजित किया गया था, उसी दौरान व्यापारी ने आयोजिका के साथ छेड़छाड़ की। वहीं जब उसकी पत्नी को विजेता नहीं बनाया गया आरोपी ने शो के खिलाफ अफवाहें फैलानी शुरू कर दीं। वहीं पुलिस का कहना है कि आरोपी ने पीड़िता को फोन कर धमकी और अश्लील बातें भी की थी जिसके चलते आईटी एक्ट के तहत भी मामला दर्ज किया गया है।

फ्लिपकार्ट के कर्मचारी का मोबाइल झपट ले गए एक्टिवा सवार बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित दाता कॉलोनी एयरपोर्ट रोड पर रविवार रात एक्टिवा सवार बदमाश तीन बदमाश फ्लिपकार्ट के कर्मचारी के हाथ से मोबाइल झपट कर ले गए। वह अपने दोस्त के साथ पैदल जा रहे थे। हालांकि दोनों दोस्तों ने दौड़ लगाकर एक्टिवा सवार बदमाशों का पीछा करना चाहा लेकिन वाहन पर सवार बदमाश तेजी से भाग निकले। पुलिस ने झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक लखेरापुरा थाना कोतवाली निवासी श्रेय लखेरा पुत्र जगदीश चन्द्र लखेरा (30) फ्लिपकार्ट कंपनी में नौकरी करते हैं। रविवार रात करीब सवा 11 बजे वह अपने एक दोस्त के साथ दाता कॉलोनी एयरपोर्ट रोड पर पैदल जा रहे थे। इस बीच किसी का कॉल आने पर श्रेय बात करने लगे। तभी पीछे से एक्टिवा पर सवार तीन बदमाश तेजी से आए औ श्रेय लखेरा के हाथ से मोबाइल झपटकर फरार हो गए। घटना के

बाद फरियादी कोहेफिजा थाने पहुंचे और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ झपटमारी का प्रकरण दर्ज करा दिया। आरोपियों की खोजबीन के लिए पुलिस घटनास्थल और उस ओर आने-जाने वाले रास्तों पर लगे कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

पानी में डूबने से दो बच्चों की मौत

भोपाल। दो दिन पहले मां के साथ बुआ के घर आए मासूम और बुआ के बेटे की पानी में डूबने से मौत हो गई। सुबह दोनों घर से हैंडपंप पानी लेने के लिए निकले थे। सोमवार दोपहर दोनों का घर के पास ही पानी से भरी खदान में शव मिला। सूखीसेवनिया पुलिस ने बताया कि ग्राम ओंकारा सेवनिया से रविवार सुबह केशव अहिरवार पुत्र रूप सिंह और मोहित भारती पुत्र दिनेश घर से हैंडपंप पर पानी भरने के लिए निकले थे। इसके बाद से दोनों गायब हो गए। जब बच्चे घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद भी बच्चे नहीं मिले तो रात करीब 10.15 बजे थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। सुबह परिजन फिर से बच्चों की तलाश शुरू की। इस दौरान घर के पास ही पानी से भरी खदान में दोनों बच्चों के शव उतराते मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। पुलिस का कहना है कि अनुमान है कि दोनों बच्चे खदान के पास गए हुए थे, जहां से पैर फिसलने से दोनों खदान में भरे गहरे पानी में चले गए और डूबने से दोनों की मौत हो गई।

ईओडब्ल्यू ने आरआई को किया 4 हजार की रिश्वत लेते हुए ट्रैप

सीमांकन के एवज में 6 हजार पहले ही ले ली थी रिश्वत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ भोपाल की टीम ने सोमवार को राजगढ़ जिले की नरसिंहगढ़ तहसील में पदस्थ राजस्व निरीक्षक (आरआई) जगदीश पटेल को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ा। पटेल किसान से सीमांकन के बदले 10 हजार रुपये की मांग कर रहा था और पहले ही 6 हजार रुपए ले चुका था। बचे हुए 4 हजार रुपए लेते समय ईओडब्ल्यू की टीम ने उसे ट्रेप कर लिया।

ग्राम धरमियाखेड़ी निवासी किसान लखन यादव ने अपनी पत्नी देवबाई यादव के नाम पर दर्ज 4.5 बीघा कृषि भूमि का सीमांकन कराने के लिए आवेदन दिया था। सीमांकन मामले को आरआई ने 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। किसान ने मजबूर होकर पहले 6 हजार रुपए दे दिए लेकिन आरआई ने सीमांकन की नकल नहीं दी। इसके बाद ईओडब्ल्यू कार्यालय भोपाल में शिकायत कर दी। शिकायत की जांच के बाद किसान ने सोमवार दोपहर पटेल को तहसील परिसर के पीछे बुलाया, इस दौरान जैसे ही उसने 4 हजार रुपए लिए, टीम ने उसे ट्रेप कर लिया। इसके बाद ट्रेप दल ने आरोपी को एसडीएम कार्यालय ले जाकर पूछताछ की गई। आरोपी आरआई पर भ्रष्टाचार निवारण

(संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि पकड़ा गया आरआई पहले भी विवादों में रहा है और एक बार रिश्वत लेते हुए कैमरे में कैद हो गया था।

मेट्रो एंकर

सात महीने पहले ही शादी की थी, आए दिन होता था झगड़ा

दंपति में विवाद, पत्नी घर के बाहर जाकर बैठी, पति ने लगा ली फांसी

बंगाल में रहने वाली महिला से की थी शादी, मृतक की पहली तो महिला की दूसरी शादी थी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित पुरानी विधानसभा के पास यादवपुरा झुग्गी में सोमवार सुबह एक युवक ने फांसी लगा लगा ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि उसने सात महीने पहले ही शादी की थी। कुछ दिन ठीक से रहने के बाद उसका पत्नी से विवाद होने लगा था। आत्महत्या से पहले भी उसका पत्नी से विवाद हुआ था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार अनिल श्रीवास (25) यादवपुरा झुग्गी, पुरानी विधानसभा के पास रहता था और केटरिंग काम करता था। उसने सात महीने पहले बंगाल में रहने वाली एक महिला से शादी की थी। अनिल की यह पहली शादी थी, जबकि महिला ने अनिल से दूसरी शादी की थी। शादी के बाद कुछ दिन सबकुछ ठीक चला और बाद में पति पत्नी के बीच

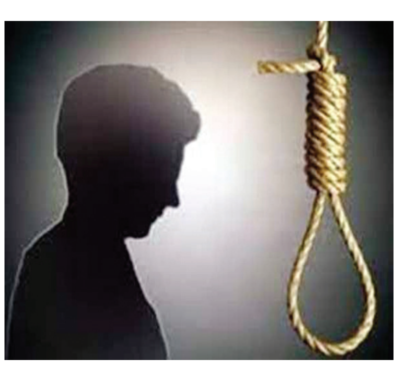

कहासुनी होने लगी। सोमवार सुबह भी दंपती में कहासुनी हुई थी। इसके बाद पत्नी झुग्गी के बाहर जाकर बैठ गई। कुछ ही देर बाद वह झुग्गी में अंदर गई तो उसने अनिल को फांसी के फंदे पर लटके देख शोर मचाया। आसपास के लोग आए और अनिल को फांसी के फंदे से उतारकर अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर अनिल को मृत घोषित कर दिया।

सागर से मामा के घर आए युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल। पिपलानी के हथाईखेड़ा पठार आनंद नगर में मामा के घर आए एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। हालत बिगडने् पर युवक के मामा उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि शार्ट पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस के मुताबिक ग्राम चन्द्रपुरा जिला सागर निवासी लाल सिंह प्रजापति (25) प्राइवेट काम करता था। विगत दिवस वह हथाईखेड़ा पठार आनंद नगर में रहने वाले अपने मामा के घर मेहमान बनकर आया था। 8 जून की रात करीब सवा 8 बजे अचानक लाल सिंह की हालत बिगडने् लगी। उसे सांस लेने में परेशानी होने लगी। वह हाथ-पैर छटपटाने लगा। तभी मामा की नजर उस पर पड़ी तो वह फौरन उसे पीपुल्स अस्पताल ले जाने के लिए रवाना हुए। लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई थी।

महिला से दुष्कर्म का आरोपी पहुंचा भोपाल

भोपाल. महिला पुलिस कर्मी के साथ दुष्कर्म करने वाला आरोपी लेफ्टिनेंट कर्नल सोमवार को भोपाल पहुंचा। आरोपी वरुण प्रताप सिंह देहरादून में पदस्थ, महिला पुलिसकर्मी ने उसकी एफआइआर महिला थाने में दर्ज करवाई थी । आरोपी ने हाईकोर्ट से मामले में जमानत ले ली है। सोमवार को अस्पताल में पुलिस ने उसका मेडिकल करवाया वहीं इसके बाद अब उसके बयान भी होने हैं। अग्रिम जमानत मिलने के बाद से ही मामले की जांच के लिए पुलिस उसे भोपाल बुला रही थी जिसके बाद सोमवार को भोपाल पहुंच कर आगे कार्रवाई की गई।

कार्यालय थाना प्रभारी
थाना रातीबढ नगरीय पुलिस भोपाल

क्रमांक -580/354/2025 दिनांक 04/06/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 26/05/2025 को फरियादीया श्रीमती शर्मीला पाँडे पत्नि रंजीत पाँडे उम्र 34 वर्ष निवासी म.नं.211, सुदामा नगर कोटरा सुल्तानाबाद थाना कमलानगर भोपाल, स्थाई पता ग्राम रामपुर बनहर महूआडिह थाना रामपुर करखाना जिला देवरिया उ.प्र. द्वारा थाना रातीबढ आकर रिपोर्ट किया कि मेरी लड़की कुमारी रोशनी पाँडे उम्र 14 साल कि दिनांक 26/05/2025 कि रात्री 10.00 बजे घर से कही चली गई है जिसका हुलिया रंग गोरा चैहरा लम्बा कद करीबन 5 फीट बदन दुबला पतला गले मे स्टील टाईप कि चैन काला धागा बंधा है नाक कान में कुछ नहीं पहनी है बाँये पेर कि तीसरी उँगली पर पुरानी चोंट से हल्की मोटी होकर अंदर कि तरफ मुडी हुई, बदन पर डार्क ग्रीन टी शर्ट व कमर में ब्लू कलर का लोवर पहने है पैरों मे चप्पल पहने है दोनो पैरों मे पायल पहने है, साथ मे ओरेंज कलर का हेन्ड बैग रखी है। गुमसुदा /अपहृता कि तलाश के हर सम्भव प्रयास किये जा रहे है फिर भी पता नही चल रहा है गुमसुदा/अपहृता कुमारी रोशनी पाँडे उम्र 14 साल कि पहचान होने व मिलने पर थाना रातीबढ या कन्ट्रोल रूम भोपाल के नम्बर 9479990689 / 7049104479/9479990454 पर सम्पर्क कर सूचना देने का कष्ट करें।

G-14039/25 "स्वच्छता ही सेवा" थाना प्रभारी, थाना रातीबढ, भोपाल

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
कार्यकारी संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022